राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 06 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-137 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

पीएम मोदी का अर्जेंटीना में जोरदार स्वागत, खनिजों को लेकर हो सकता है बड़ा ऐलान

ब्यूनस आयर्स।

ट्रिनिडाड और टोबैगो की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर शुक्रवार रात अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत किया गया। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के निमंत्रण पर पीएम मोदी वहां गए हैं। इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाई देने पर जोर दिया जाएगा। पीएम मोदी की अर्जेंटीना यात्रा के दौरान उनकी राष्ट्रपति जेवियर मिलेई से द्विपक्षीय बातचीत होगी, जिसमें रक्षा, ऊर्जा, खनिज, कृषि, निवेश, व्यापार, आतंकवाद विरोध और डिजिटल सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। अर्जेंटीना के कैटामार्का प्रांत में भारत की खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड ने लिथियम की खुदाई अधिकार पहले ही हासिल कर लिए हैं। अब उम्मीद की जा रही है कि इस क्षेत्र में नई घोषणाएं हो सकती हैं।

अर्जेंटीना लिथियम ट्रायंगल (बोलीविया और चिली के साथ) का हिस्सा है और भारत की इलेक्ट्रिक वाहन और स्वच्छ ऊर्जा रणनीति के लिए लिथियम अत्यंत आवश्यक है। इसके अलावा, अर्जेंटीना के शेल गैस और एलएनजी भंडारों में भी भारत की गहरी दिलचस्पी है। खाड़ी देशों में अस्थिरता को देखते हुए भारत ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण की नीति पर काम कर रहा है और अर्जेंटीना इसका एक प्रमुख हिस्सा बन सकता है।

2024 में भारत और अर्जेंटीना के बीच द्विपक्षीय व्यापार 5.2 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। दोनों देशों के बीच अब तक व्यापार मुख्यतः सोयाबीन तेल और कृषि उत्पादों पर केंद्रित रहा है, लेकिन अब भारत फार्मा, आईटी और हेल्थटेक जैसे क्षेत्रों में अपना निर्यात बढ़ाना चाहता है।दूसरी ओर, अर्जेंटीना भारतीय तेजस लड़ाकू विमान जैसे रक्षा उत्पादों में रुचि दिखा रहा है। संयुक्त प्रशिक्षण, को-प्रोडक्शन और तकनीक हस्तांतरण पर भी चर्चा हो सकती है।

डिजिटल गवर्नेंस, टेलीमेडिसिन और अंतरिक्ष क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ाने की योजना है। भारत के इसरो और अर्जेंटीना की एजेंसी के बीच पहले से सहयोग रहा है, जिसे अब और औपचारिक बनाया जा सकता है।

पीएम मोदी ने अर्जेंटीना पहुंचने पर एक्स पर पोस्ट में कहा,

द्विपक्षीय यात्रा के लिए ब्यूनस आयर्स पहुंचा हूं, जिसका फोकस अर्जेंटीना के साथ संबंधों को बढ़ाने पर होगा। मैं राष्ट्रपति जेवियर माइली से मिलने और उनके साथ विस्तृत बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं। पीएम मोदी और राष्ट्रपति मिलेई के बीच होने वाली द्विपक्षीय वार्ता में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

अभी हम शांत हैं, इसका मतलब यह नहीं कि हम कमजोर हो गए

20 साल बाद एक मंच पर आए उद्धव-राज, महाराष्ट्र को तोड़ने वालों को चेताया

मुंबई।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले विधानसभा चुनावों में बीजेपी में 'बंटेंगे तो कटेंगे' का नारा देकर राज्य को बांटने की कोशिश की। यह उनकी पुरानी रणनीति है जिससे वे लोगों को बांटने की कोशिश करते हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह और राज ठाकरे आज एक साथ आए हैं। आगे भी साथ रहेंगे। हमारी लड़ाई महाराष्ट्र के लिए है। सालों बाद मैं और राज एक मंच पर हैं। आज हम एक साथ है। यह सबसे अहम है। आज सब एकजुट हैं। उन्होंने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि महाराष्ट्र को तोड़ने की सोचने वाले ये समझ लें। उन्होंने कहा कि बीजेपी अपवाहों की पार्टी है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हिंदू और हिंदुस्तान तो हमें मान्य है, लेकिन हिंदी को हमारे ऊपर थोपना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब मैं सीएम था तो मैंने मराठी को अनिवार्य किया था और मुझे इस पर गर्व है। कुछ लोग इस फैसले के खिलाफ कोर्ट गए थे। स्वतंत्रता के बाद कुछ नेताओं ने मुंबई को महाराष्ट्र से छीनने की साजिश रची, लेकिन मराठी भाषी लोगों ने तत्कालीन केंद्र सरकार को मुंबई को महाराष्ट्र और मराठी भाषी लोगों का हिस्सा बनाए रखने के लिए मजबूर किया। ठाकरे ने कहा कि उन्होंने कभी हिंदुत्व को नहीं छोड़ा। आज हमारे बीच का अंतर खत्म हुआ है। उन्होंने कहा कि बीजेपी अफवाहों की फैक्ट्री है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैं और राज ठाकरे दोनों मिलकर उसे बाहर निकाल देंगे जो हमें बांटना चाहता है। सालों बाद मैं और राज मिले हैं। मुंबई मराठियों की थी और मराठियों की ही रहेगी। उन्होंने कहा कि हम साथ आए हैं साथ रहने के लिए। इस मौके पर राज ठाकरे ने कहा कि अभी हम शांत हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम कमजोर हो गए हैं। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की धमकी दे रहे है, लेकिन कोई ऐसा करके तो दिखाए। कोई मजाक चल रहा है क्या। उन्होंने कहा कि तीन भाषा का विषय केंद्र का है। इस मसले पर राज्य और केंद्र के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए था। मुंबई में हुई रैली में एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले भी पहुंची। इस रैली के लिए शरद पवार को भी आमंत्रित किया गया था लेकिन वह व्यस्तता के चलते नहीं पहुंच सके। हालांकि कांग्रेस पार्टी ने खुद को इस रैली से दूर रखा है।

भगोड़े नीरव मोदी का भाई नेहल अमेरिका में गिरफ्तार

पीएनबी घोटाले में सीबीआई-आईडी की अपील पर एक्शन

नई दिल्ली।

पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के एक और अहम आरोपी नीरव मोदी के भाई नेहल दीपक मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी भारत की प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की संयुक्त अपील पर अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा 4 जुलाई को की गई। इसे भारत के सबसे बड़े बैंकिंग घोटाले की जांच में एक बड़ी कूटनीतिक और कानूनी सफलता माना जा रहा है। नेहल मोदी की गिरफ्तारी भारत सरकार के औपचारिक प्रत्यर्पण अनुरोध के तहत हुई है और अब उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया अमेरिका में शुरू हो चुकी है। अमेरिकी अभियोजन पक्ष द्वारा दायर शिकायत के मुताबिक, नेहल मोदी के खिलाफ दो मुख्य आरोपों के आधार पर प्रत्यर्पण की कार्यवाही की जा रही है। नेहल मोदी पर आरोप है कि उसने अपने भाई नीरव मोदी की मदद करते हुए करोड़ों रुपये की अवैध कमाई को छुपाया और उसे शेल कंपनियों और विदेशी लेनदेन के जरिए इधर-उधर किया। प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट में नेहल मोदी को सह-आरोपी के तौर पर नामित किया गया है, और उस पर सबूत मिटाने का भी आरोप है।

तेज बारिश के चलते मणिकर्णिका घाट डूबा, छत पर हो रहे अंतिम संस्कार

हिमाचल में 69 मौतें, मध्यप्रदेश, राजस्थान में भारी बारिश

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ।

देश के उत्तर और मध्य भारत में मानसून ने तबाही मचाने वाली दस्तक देकर सभी को हैरान-परेशान कर दिया है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल और राजस्थान में भारी बारिश के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। यहां काशी के पवित्र मणिकर्णिका घाट के प्लेटफॉर्म गंगा में डूब गए। अब लोगों को शवों का अंतिम संस्कार घाट की छतों पर करना पड़ रहा है। मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। राज्य के मंडला, सिवनी और बालाघाट जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया। टीकमगढ़ में 24 घंटे में 6 इंच बारिश दर्ज की गई। जबलपुर में एक गैस सिलेंडर से भरा ट्रक पानी में डूब गया, जिससे गैस सिलेंडर नदी में बहते हुए देखे गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है। मंडला जिले में कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति है। उत्तर प्रदेश की बात करें तो गंगा का जलस्तर 15 फीट बढ़ गया जिससे, मणिकर्णिका घाट डूब गया है। वाराणसी में गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। बीते चार दिनों में जलस्तर 15 फीट तक बढ़ चुका है। शुक्रवार रात 11 बजे तक जलस्तर 62.63 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान (71.262 मीटर) के करीब पहुंच रहा है। काशी का पवित्र मणिकर्णिका घाट पूरी तरह से जलमग्न हो गया। शवदाह के प्लेटफॉर्म पानी में डूब जाने से अंतिम संस्कार अब घाट की छत पर किया जा रहा है। इसके भी फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। रत्नेश्वर महादेव मंदिर भी आधा से अधिक डूब चुका है। वहीं, पंडा-पुरोहितों की 300 से अधिक चौकियां पानी में डूब गई हैं। वहीं राजस्थान में मानसून ने सभी जिलों को भिगो दिया है, अब एक भी जिला सूखा नहीं है। 1 जून से अब तक राज्य में 167.1 मिमी बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 137 प्रतिशत अधिक है। जबकि पिछले साल जुलाई के पहले सप्ताह तक 14 जिले सूखे की चपेट में थे।

पूर्व जस्टिस काटजू के विवादित बोल.....नेताजी जापान के, महात्मा गांधी ब्रिटेन के एजेंट

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस मार्कंडेय काटजू फिर से विवादों में घिर गए हैं। उन्होंने नेता जी सुभाष चंद्र बोस और महात्मा गांधी को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने जहां नेताजी को जापान का और महात्मा गांधी को ब्रिटिश एजेंट बता दिया। उन्होंने जज के भ्रष्टाचार में शामिल होने को लेकर भी सफाई दी। उन्होंने न्यायालय की लेटलतीफी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि नेता जी जापान के लिए काम करते थे। उन्होंने कई बार जापान की मदद की। वास्तव में बोस का इस्तेमाल जापानियों द्वारा हो रहा था, और वे उन्हें तभी मार देते, जब उनकी उपयोगिता खत्म हो जाती। लेकिन साल 1945 में जब जापान ने आत्म समर्पण किया, तब वे कहां चले गए, इसका पता अभी तक नहीं लग सका। इससे शक गहरा गया कि बोस जापान के एजेंट के रूप में काम करते थे। वहीं जस्टिस काटजू ने गांधी के बारे में कहा कि गांधी जी ब्रिटेन के एजेंट थे और उन्होंने राजनीति में धर्म को घुसाकर देश को बहुत नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश सरकार, फूट डालो राज करो नीति पर चलती थी और महात्मा गांधी इस नीति को बढ़ावा देते थे। गांधी जी की नीतियों की वजह से मुसलमानों का झुकाव मुस्लिम लीग की ओर बढ़ा था। गांधी जी ने भगत जी जैसे क्रांतिकारी के आंदोलन से ध्यान भटकाकर लोगों को सत्याग्रह की तरफ मोड़ दिया। काटजू ने गांधी के आर्थिक विचारों को प्रतिक्रियावादी और नोआखली जाने को भी पूरी तरह से ढोंग बताया।

जम्मू आधार शिविर से 6,900 से अधिक श्रद्धालुओं का चौथा जत्था रवाना

अब तक करीब 30,000 श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके

जम्मू।

दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर के दर्शन के लिए भारी बारिश के बीच शनिवार सुबह 6,900 से अधिक श्रद्धालुओं का नया जत्था भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। प्रशासन के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो जुलाई को 38 दिवसीय वार्षिक यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक करीब 30,000 श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं।

अधिकारियों के अनुसार, श्रद्धालुओं के चौथे जत्थे में कुल 6,979 श्रद्धालु शामिल हैं जिसमें 5,196 पुरुष, 1,427 महिलाएं, 24 बच्चे, 331 साधु-साध्वियां और एक ट्रांसजेंडर शामिल हैं। ये सभी श्रद्धालु सुबह साढ़े तीन बजे से चार बजकर पांच मिनट के बीच दो काफिलों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुए।

अधिकारियों ने बताया कि इसमें 4,226 श्रद्धालु पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम मार्ग से नुनवान आधार शिविर के लिए 161 वाहनों में रवाना हुए, जबकि 2,753 श्रद्धालु 151 वाहनों में छोटे लेकिन दुर्गम 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से

रवाना हुए। जम्मू आधार शिविर से बुधवार से अब तक कुल 24,528 श्रद्धालु घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं। इसके पहले सुबह का वातावरण भक्ति, उत्साह और देशभक्ति के रंग में रंगा हुआ दिखाई दिया। श्रद्धालुओं की जुबां पर बम बम भोले, बोले बाबा की जय और जय-जय श्रीराम जैसे जयकारे गूंज रहे थे, वहीं कुछ श्रद्धालु इंडियन आर्मी जिंदाबाद और सेना जिंदाबाद के नारे लगाते दिखाई दिए। कुछ श्रद्धालु अपने हाथों में छोटे पौधे लेकर चल रहे थे, जिन पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के स्टीकर लगे थे, जो पर्यावरण और सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दे रहे थे।

ग्रेटर नोएडा : यमुना प्राधिकरण में मंत्री नंद गोपाल नंदी ने की विकास कार्यों की समीक्षा

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने अपने दो दिन के गौतमबुद्ध नगर के दौरे के दूसरे दिन शनिवार को यमुना प्राधिकरण के कार्यालय में अधिकारियों के साथ आने वाले निवेश और चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की। इस बैठक में विभागीय सचिव प्रांजल यादव, प्राधिकरण के सीईओ राकेश कुमार सिंह समेत तमाम उच्च अधिकारी मौजूद रहे। सीईओ ने मंत्री को विभिन्न औद्योगिक, अधोसंरचनात्मक एवं शहरी विकास परियोजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। प्राधिकरण की उपलब्धियों में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के अंतर्गत 43,750 करोड़ रुपए के लक्ष्य के मुकाबले 45,148 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों की जानकारी दी गई, जिससे लगभग 1.32 लाख रोजगारों का सृजन संभावित है। मंत्री नंदी ने अधिकारियों को यह निर्देश दिए हैं कि जिन आवंटियों ने अब तक अपने भूखंडों पर निर्माण कार्य शुरू नहीं किया है, उनसे तत्काल कार्ययोजना मंगाई जाए और डीपीआर के अनुसार निर्माण की समीक्षा की जाए।

पुणे में वन विभाग का बड़ा एक्शन, 11 आरोपी गिरफ्तार, बड़ी मात्रा में मोर पंख जब्त

पुणे। महाराष्ट्र वन विभाग ने पुणे के सोमवार पेठ इलाके में अवैध रूप से मोर के पंख बेचने के आरोप में बड़ा एक्शन लिया। फॉरेस्ट ऑफिसर ने 11 लोगों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 400 से 500 किलो मोर के पंख जब्त किए। आपको बता दें कि मोर के पंख तोड़ना, भंडारण करना, व्यापार करना या खरीदना अवैध है। वन विभाग को पुणे के सोमवार पेठ स्थित नरपतगिरी चौक इलाके में मोर के पंख की अवैध रूप से बिक्री और भंडारण किए जाने की जानकारी मिली। इस पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी मूलरूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। इनके खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए पहला दल रवाना, सीएम धामी ने दिखाई हरी झंडी

चम्पावत।

उत्तराखंड से कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए शनिवार को पहला दल रवाना हुआ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टनकपुर पर्यटक आवास गृह से यात्रियों को हरी झंडी दिखाकर यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दल में 11 राज्यों के 45 श्रद्धालु शामिल हैं, जिनमें 32 पुरुष और 13 महिलाएं हैं। मुख्यमंत्री धामी ने यात्रियों का पारंपरिक रूप से स्वागत किया और उत्तराखंड की सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ा स्मृति चिह्न भी भेंट किया। उन्होंने श्रद्धालुओं से संवाद करते हुए देवभूमि उत्तराखंड में उनका हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मिक और आध्यात्मिक जागरण का मार्ग है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा उन चंद भाग्यशाली लोगों को ही नसीब होती है जो भोलेनाथ की कृपा से इसे पूर्ण कर पाते हैं। मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य, भोजन, आवास, सुरक्षा और परिवहन समेत हर स्तर पर पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। सभी पड़ावों पर आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं, जिससे किसी भी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो।

सीमाओं से परे शिव साक्षात्कार

मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि पहले जहां इस यात्रा को पूरा करने में सात दिन या उससे अधिक का समय लगता था, अब उन्नत कनेक्टिविटी और इन्फ्रास्ट्रक्चर के चलते यह कुछ ही घंटों में संभव हो सकी है।

मैं अभी 30-40 साल और जीवित रहूंगा, मुझ पर अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद

दलाई लामा ने अपने उत्तराधिकारी को लेकर जारी अफवाहों पर लगाया विराम

धर्मशाला।

दलाई लामा ने अपने उत्तराधिकारी को लेकर जारी अफवाहों पर विराम लगा दिया है।

शनिवार को उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह लोगों की सेवा के लिए 30-40 साल और जीवित रहेंगे। मैकलोडगंज में मुख्य दलाई लामा मंदिर त्सुगलागखांग में रविवार को वर्तमान दलाई लामा के जन्मदिन माना जाना है।

इससे पहले, दीर्घायु प्रार्थना समारोह में तेनजिन ग्यात्सो ने कहा कि उन्हें स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद उनके साथ है।

तिब्बत के आध्यात्मिक नेता ने कहा कि कई भविष्यवाणियों को देखते हुए मुझे लगता है कि मुझ पर अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद है। मैंने अब तक अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया है। मुझे उम्मीद है कि मैं अभी 30-40 साल और जिंदा रहूंगा। आपकी प्रार्थनाएं अब तक फलदायी रही हैं। उन्होंने कहा कि हमने अपना देश खो दिया है और हम भारत में रह रहे हैं। यहीं मैं जीवात्माओं को काफी लाभ पहुंचाने में सक्षम रहा हूं। मैं जितना संभव हो सके, जीवात्माओं को लाभ पहुंचाने और उनकी सेवा करने की इच्छा रखता हूं।

वहीं विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा था कि भारत सरकार आस्था और धर्म से जुड़े मामलों में कोई पक्ष नहीं लेती है। मंत्रालय ने यह टिप्पणी दलाई लामा के इस बयान के दो दिन बाद की है जिसमें उन्होंने कहा था कि तिब्बती बौद्धों के एक ट्रस्ट को ही उनके उत्तराधिकारी को तय करने का अधिकार होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चातुर्मास है अध्यात्म की फसल उगाने का अवसर

(लेखक- मंत्र महर्षि डॉ. योगभूषण महाराज)

(चातुर्मास शुभारंभ-06 जुलाई 2025 पर विशेष)

सृष्टि का चक्र अनवरत गतिशील है-गर्मी, वर्षा और शीत ऋतु इसका पर्याय हैं। इन्हीं ऋतुओं में से एक वर्षा ऋतु-न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से, बल्कि आध्यात्मिक और धार्मिक जगत के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जैन धर्म में इस अवधि को 卐चातुर्मास卐 या 卐वर्षायोग卐 कहा जाता है, जैन परम्परा में आषाढ़ी पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक का समय तथा वैदिक परम्परा में आषाढ़ से आसोज तक का समय चातुर्मास कहलाता है। इस दौरान दिगम्बर और श्वेताम्बर दोनों परंपराओं के मुनि स्थिर एक ही स्थान पर विराजमान रहते हैं। यह नियम प्राकृतिक कारणों से भी जुड़ा है-जैसे वर्षा ऋतु में जीव-जंतु अधिक उत्पन्न होते हैं, जिससे भ्रमण करने से अहिंसा का उल्लंघन हो सकता है। वास्तव में आज के व्यस्त, तनाव एवं हिंसाग्रस्त और भौतिकतावादी युग में चातुर्मास हमें आत्ममूल्यांकन और आंतरिक शांति की प्रेरणा देता है। यह समय पर्यावरणीय संतुलन, नैतिक जीवनशैली और आध्यात्मिक चिंतन की ओर समाज को मोड़ने में सक्षम है। यदि युवा वर्ग इसे आत्मसात करे, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है।

वास्तव में पुराने समय में वर्षाकाल पूरे समाज के लिए विश्राम काल बन जाता था किन्तु संन्यासियों, श्रावकों, भिक्षुओं आदि के संगठित संप्रदायों ने इसे साधना काल के रूप में विकसित किया। इसलिए वे निर्धारित नियमानुसार एक निश्चित तिथि को अपना वर्षावास या चातुर्मास शुरू करते थे और उसी तरह एक निश्चित तिथि को उसे समाप्त करते थे। धन-धान्य की अभिवृद्धि के कारण उपलब्धियों भरा यह समय स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार, आत्म-वैभव को पाने एवं अध्यात्म की फसल उगाने की दृष्टि से भी सर्वोत्तम माना गया है। इसका एक कारण यह है कि निरंतर पदयात्रा करने वाले जैन साधु-संत भी इस समय एक जगह स्थिर प्रवास करते हैं। उनकी प्रेरणा से धर्म जागरणा में वृद्धि होती है। जन-जन को सुखी, शांत और पवित्र जीवन की कला का प्रशिक्षण मिलता है। गृहस्थ को उनके सान्निध्य में आत्म उपासना का भी अपूर्व अवसर उपलब्ध होता है।

जैन धर्म एक अत्यंत अनुशासित और तपोमयी परंपरा है, जिसमें आत्मशुद्धि, अहिंसा, संयम और साधना को सर्वोपरि माना गया है। वर्षभर की विविध धार्मिक गतिविधियों में चातुर्मास का विशेष स्थान है। यह समय आत्मनिरीक्षण, तप, स्वाध्याय और उपवास जैसी साधनाओं का काल है, जिसमें श्रावक और साधु-साध्वियाँ दोनों ही अपनी आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर होते हैं। श्रावक इस दौरान अधिक समय धर्म, पूजन, व्रत, स्वाध्याय और दान में लगाते हैं। यह आत्म-निरीक्षण और जीवन शैली को बदलने का काल बन जाता है। चातुर्मास में पर्युषण पर्व, दशलक्षण पर्व, अनंत चतुर्दशी जैसे पर्व आते हैं जो धर्म की गहराई को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। इस समय एकासन, उपवास, अनेक तरह के त्याग जैसे अनेक व्रतों का पालन किया जाता है। इससे आत्मिक बल और संयम में वृद्धि होती है। चातुर्मास में मुनियों के प्रवचनों के माध्यम से धर्म ग्रंथों की गूढ़ व्याख्या होती है, जिससे श्रद्धालु ज्ञान और विवेक के पथ पर आगे बढ़ते हैं। संयमित जीवन और वैराग्य की भावना इस काल में जागृत होती है, जिससे सांसारिक मोह कम होता है।

जैन चातुर्मास केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मिक उत्कर्ष की एक सुंदर प्रक्रिया है। यह काल हमें भीतर झाँकने, अपनी त्रुटियों को पहचानने और एक संतुलित, अहिंसात्मक जीवन की ओर बढ़ने का अवसर देता है। साधना और संयम की यह अनूठी परंपरा न केवल जैन समाज को बल्कि सम्पूर्ण मानवता को आध्यात्मिक दिशा देने की सामर्थ्य रखती है। चातुर्मास धार्मिक संस्कृति की आत्मा है। यह काल समाज को एक साथ जोड़ता है-सामूहिक साधना, संयम और सेवा की भावना को पोषित करता है। संतों की सेवा, रोगी-वृद्ध मुनियों की देखभाल, आहार-विहार की व्यवस्था, सत्संग और स्वाध्याय में सहयोग देना-ये सभी कार्य श्रावकों के लिए धर्म का अंग बन जाते हैं। चातुर्मास न केवल तपस्वियों के जीवन का अमृतकाल है, अपितु पूरे समाज के लिए जागृति और नवचेतना का समय है। यह चार महीने धर्म के बीज को बोने, सेवा का जल सींचने, संयम की धूप में तपाने और श्रद्धा के वृक्ष को विकसित करने का सर्वोत्तम काल है। जब मन, वचन और काया तीनों पवित्र हों-तभी चातुर्मास सफल होता है। अपेक्षा है कि सभी संकल्प करें- इस चातुर्मास को केवल परंपरा के निर्वाह के रूप में नहीं, बल्कि आत्मिक विकास और सामाजिक समर्पण के माध्यम के रूप में अपनाएं।

हिन्दू धर्म में देवशयनी एकादशी से ही चातुर्मास की शुरुआत होती है जो कार्तिक के देव प्रबोधिनी एकादशी तक चलती है, इस समय में श्री हरि विष्णु योगनिद्रा में लीन रहते हैं इसलिए किसी भी शुभ कार्य को करने की मनाही होती है। इसी अवधि में ही आषाढ़ के महीने में भगवान विष्णु ने वामन रूप में अवतार लिया था और राजा बलि से तीन पग में सारी सृष्टी दान में ले ली थी। उन्होंने राजा बलि को उसके पाताल लोक की रक्षा करने का वचन दिया था। फलस्वरूप श्री हरि अपने समस्त स्वरूपों से राजा बलि के राज्य की पहरेदारी करते हैं। इस अवस्था में कहा जाता है कि भगवान विष्णु निद्रा में चले जाते हैं। यों तो हर व्यक्ति को जीने के लिये तीन सौ पैंसठ दिन हर वर्ष मिलते हैं, लेकिन उनमें वर्षावास की यह अवधि हमें जागते मन से जीने को प्रेरित करती है, यह अवधि चरित्र निर्माण की चौकसी का आह्वान करती है ताकि कहीं कोई कदम गलत न उठ जाये। यह अवधि एक ऐसा मौसम और माहौल देती है जिसमें हम अपने मन को इतना मांज लेने को अग्रसर होते हैं कि समय का हर पल जागृति के साथ जीया जा सके। संतों के लिये यह अवधि ज्ञान-योग, ध्यान-योग और स्वाध्याय-योग के साथ आत्मा में अवस्थित होने का दुर्लभ अवसर है। वे इसका पूरा-पूरा लाभ लेने के लिये तत्पर होते हैं। वे चातुर्मास प्रवास में अध्यात्म की ऊंचाइयों का स्पर्श करते हैं, वे आधि, व्याधि, उपाधि की चिकित्सा कर समाधि तक पहुंचने की साधना करते हैं। वे आत्म-कल्याण ही नहीं पर-कल्याण के लिये भी उत्सुक होते हैं। यही कारण है कि श्रावक समाज भी उनसे नई जीवन दृष्टि प्राप्त करता है। स्वस्थ जीवनशैली का निर्धारण करता है। संतों के अध्यात्म एवं शुद्धता से अनुप्राणित आभामंडल समूचे वातावरण को शांति, ज्योति और आनंद के परमाणुओं से भर देता है। इससे जीवन-रूपी सारे रास्ते उजालों से भर जाते हैं। लोक चेतना शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तनावों से मुक्त हो जाती है। उसे द्वंद्व एवं दुविधाओं से त्राण मिलता है। भावनात्मक स्वास्थ्य उपलब्ध होता है।

वर्षावास में सभी श्रद्धालु आत्मा से परमात्मा की ओर, वासना से उपासना की ओर, अहं से अर्हम् की ओर, आसक्ति से अनासक्ति की ओर, भोग से योग की ओर, हिंसा से अहिंसा की ओर, बाहर से भीतर की ओर आने का प्रयास करते हैं। वह क्षेत्र सौभाग्यशाली माना जाता है, जहां साधु-साध्वियों का चातुर्मास होता है। उनके सान्निध्य का अर्थ है- बाहरी के साथ-साथ आंतरिक बदलाव घटित होना। जीवन को सकारात्मक दिशाएं देने के लिये चातुर्मास एक सशक्त माध्यम है। यह आत्म-निरीक्षण का अनुष्ठान है। चातुर्मास संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है।

चातुर्मास का महत्व शांति और सौहार्द की स्थापना के साथ-साथ भौतिक उपलब्धियों के लिये भी महत्वपूर्ण माना गया है। इतिहास में ऐसे अनेक प्रसंग हैं, जहां चातुर्मास या वर्षावास और उनमें संतों की गहन साधना से अनेक चमत्कार घटित हुए हैं। जिस क्षेत्र की स्थिति विषम हो। जनता विग्रह, अशांति, अराजकता या अत्याचारी शासक की क्रूरता की शिकार हो, उस समस्या के समाधान हेतु शांति और समता के प्रतीक साधु-साध्वियों का चातुर्मास वहां करवाया जाकर परिवर्तन को घटित होते हुए देखा गया है। क्योंकि संत वस्तुतः वही होता है जो औरों को शांति प्रदान करे। जरूरत है इस सांस्कृतिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाने की। ऐसी परम्पराओं पर हमें गर्व और गौरव होना चाहिए कि जहां जीवन की हर सुबह सफलताओं की धूप बांटें और हर शाम चारित्र धर्म की आराधना के नये आयाम उद्घाटित करें। क्योंकि यही अहिंसा, शांति और सह-अस्तित्व की त्रिपथगा सत्यं, शिवं, सुंदरम् का निनाद करती हुई समाज की उर्वरा में ज्योति की फसलें उगाती है।

(लेखक आध्यात्मिक गुरु, सोऽहम् योग प्रवर्तक एवं संस्थापक धर्मयोग फाउंडेशन है।)

संपादकीय

तबाही के सबक

हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। लगातार बादल फटने के बाद भयावह मंजर हमारे सामने उभरा है। निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का मंजर निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों,सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। यहां ढली इलाके में कई इमारतें गंभीर खतरे की जद में आ चुकी हैं। निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं।वास्तव, में हिमाचल व उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। विकास के नाम पर हमने पहाड़ों को काटकर चौड़ी सड़कें बना दी और इससे लगते पहाड़ों की जड़ें खोखली कर दी,जिससे भूस्खलन की गति अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे। इस तरह हमने परंपरागत हल्की छत वाले घरों के बजाय भारी-भरकम कंक्रीट की छतों वाले घरों को प्राथमिकता दी है। हिमाचल में लाहौल-स्पीति को जोड़ने वाली अटल सुरंग इंजीनियरिंग का चमत्कार हो सकती है, लेकिन इसके अवरोध के बाद पुरानी रोहतांग दर्रा सड़क पर वापसी साबित करती है कि आपातकालीन योजना ने बुनियादी ढांचे के विस्तार के साथ तालमेल नहीं रखा है। इसी तरह कांगड़ा घाटी में रेल यात्रा में व्यवधान विरासत के बुनियादी ढांचे के प्रति आधिकारिक उदासीनता को ही दर्शाता है। यह रेलवे लाइन अभी दूर-दराज के इलाकों के लिये जीवन रेखा जैसी ही है। शिमला के ढली के पास खराब निर्माण और लापरवाही ने कई इमारतों और लोगों के जीवन को संकट में डाल दिया है। जो हमारे अवैज्ञानिक विकास की कीमत चुका रहे हैं। दरअसल,हमें अतीत की आपदाओं से सबक लेकर भविष्य की विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार करनी होगी। पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिरे से निर्माण के मानक तय करने होंगे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारत की एकता के अमर प्रहरी

(लेखक -हेमन्त खण्डेलवाल)

(डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के जन्मदिवस 6 जुलाई पर आलेख)

कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जो अपने विचारों, संघर्षों और बलिदानों से समय की धारा को मोड़ने का संकल्प रखते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही युगपुरुष थे, जिनकी राष्ट्रभक्ति, दूरदृष्टि और दृढ़ संकल्प ने भारत की एकता-अखंडता को सुदृढ़ किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही एक युगद्रष्टा थे, जिनका जीवन भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए समर्पित था। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि शिक्षाविद, समाज सुधारक और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल प्रवक्ता थे। 6 जुलाई को उनका जन्मदिवस केवल एक स्मरण तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्रनिष्ठा, त्याग और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

देश की स्वतंत्रता के पश्चात जम्मू-कश्मीर को लेकर जो परिस्थितियाँ निर्मित हुईं, वे राष्ट्र की एकता के लिए चुनौती बन गई थी। अनुच्छेद 370 और 35ए जैसे प्रावधानों ने जम्मू-कश्मीर को भारत से पृथक करने का प्रयास किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने इस वैचारिक विभाजन का डटकर विरोध किया। उनका स्पष्ट मत था कि एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चल सकते। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि उनका जीवन दर्शन था। उन्होंने कहा था कि जब कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, तो वहाँ भी भारत के समान संविधान और शासन होना चाहिए। अपने इस सिद्धांत को सत्य सिद्ध करने के लिए उन्होंने अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया, वर्षों बाद उनका सपना साकार हुआ जब 2019 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त किया गया। यह कदम केवल एक संवैधानिक सुधार नहीं था, बल्कि यह भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करने का ऐतिहासिक संकल्प था। इस निर्णय के पीछे डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवाद की विचारधारा स्पष्ट रूप से झलकती है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय राजनीति में एक स्पष्ट और सशक्त राष्ट्रीय विचारधारा प्रस्तुत की। जब पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में वैचारिक प्रतिबद्धताएँ राष्ट्रहित से टकराने लगीं, तब उन्होंने मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया। यह केवल पद का त्याग नहीं था, बल्कि राष्ट्रहित के लिए एक साहसिक और कर्त्तव्य निष्ठ कदम था। इसके बाद उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जो भविष्य में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित होकर देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनी। डॉ. मुखर्जी का सबसे बड़ा संघर्ष जम्मू-कश्मीर की परमिट प्रणाली के खिलाफ था। यह व्यवस्था कश्मीर में भारतीय नागरिकों की स्वतंत्र आवाजाही को सीमित करती थी, जिससे भारत के अंदरूनी हिस्सों को एक-दूसरे से जोड़ना मुश्किल हो रहा था। 1953 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा करने का साहस दिखाया, जिसके पश्चात उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। श्रीनगर की जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु 23 जून 1953 को हुई। अत्यंत पीड़ादायक है कि न उन्हें समुचित चिकित्सा व्यवस्था प्रदान की गई और न ही उनकी मौत की निष्पक्ष जांच की गई। उनकी माता श्रीमती योगमाया देवी ने इसे 'मेडिकल मर्डर' करार दिया, पर सत्ता तंत्र मौन रहा।

. मुखर्जी का यह बलिदान व्यर्थ नहीं गया। उनके निधन के कुछ सप्ताहों के भीतर ही कश्मीर की परमिट प्रणाली समाप्त कर दी गई और धीरे-धीरे वह व्यवस्था बदली, जिसने देश के भीतर अलगाव और तनाव पैदा किया था। हालांकि कांग्रेस सरकारों ने दशकों तक उनकी चेतावनियों को नजरअंदाज किया, परन्तु उनकी विचारधारा आज भी भारतीय राष्ट्रवाद का आधार है।

2004 के बाद जब देश में कांग्रेस की सत्ता रही, तब जम्मू-कश्मीर को विशेष स्वायत्तता देने की बातें पुनः उठी। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 2010 में जम्मू-कश्मीर की स्वायत्तता की बात कहकर भारत की जनता के हितों के साथ खिलवाड़ किया। कांग्रेस ने पीडीपी की कठपुतली बनकर आतंकवादियों के प्रति नरमी बरती, जिससे कश्मीर में दशकों तक हिंसा और विस्थापन हुआ। हजारों नागरिक शरणार्थी बने और उनकी जिंदगी कठिन हुई। इस दौरान अलगाववादी शक्तियों को बढ़ावा मिला और भारत विरोधी गतिविधियां फलने-फूलने लगीं। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के बाद जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद और अलगाववाद को दफन कर देश की एकता को मजबूत किया। डॉ. मुखर्जी के संघर्ष और बलिदान के कारण ही जम्मू-कश्मीर आज भारत का अभिन्न हिस्सा है। भारतीय जनसंघ से भाजपा तक की राजनीति का मूल राष्ट्रवाद रहा है, जिसने देश की अखंडता और सुरक्षा को सर्वोपरि रखा।

शिक्षा के क्षेत्र में भी डॉ. मुखर्जी ने अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने उच्च शिक्षा को भारतीय संस्कृति से जोड़ने पर जोर दिया, ताकि देश की युवा पीढ़ी अपने सांस्कृतिक मूल्यों के साथ आधुनिक ज्ञान प्राप्त कर सके। आज नई शिक्षा नीति में भी उनके विचारों की परछाई मिलती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की कई जनकल्याणकारी योजनाएं प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, तीन तलाक विरोधी कानून, डॉ. मुखर्जी के सामाजिक दृष्टिकोण और राष्ट्रहित के विचारों का प्रतिफल हैं। ये योजनाएं देश के गरीब और पिछड़े तबकों को सशक्त बनाने का प्रयास करती हैं, जैसा कि डॉ. मुखर्जी ने सदैव समर्थन किया।

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी भारत के महान राष्ट्रवादी नेता थे, जिनका जीवन देशभक्ति और समर्पण की मिसाल है। वे पद, प्रतिष्ठा या स्वार्थ से ऊपर उठकर केवल देश की सेवा में लगे रहे। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा राष्ट्रवाद केवल सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि सिद्धांतों और न्याय के लिए निरंतर संघर्ष है। आज जब भारत 2047 में स्वावलंबी और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, तब उनकी शिक्षाएं और भी प्रासंगिक हो जाती हैं। डॉ. मुखर्जी का आदर्श और बलिदान हमारे लिए एक अमर प्रेरणा हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को एकजुट, मजबूत और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

(लेखक-भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के अध्यक्ष व बैतूल विधायक हैं।)

(चिंतन- मनन)

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

विचार मंथन

अनिल अंबानी का 49,000 करोड़ का बैंक घोटाला

(लेखक- सनत जैन)

अनिल अंबानी द्वारा 49,000 करोड़ रुपये का बैंक कर्ज हड़पना भारतीय बैंकिंग इतिहास की उन घटनाओं में शामिल हो गया है, जो यह साबित करती है, कि किस तरह देश का बैंकिंग सिस्टम कुछ खास कॉरपोरेट घरानों के लिए लूट की खुली छूट बन गया है। अनिल अंबानी की कंपनियों ने 53 बैंकों से भारी-भरकम कर्ज लेने के बाद, अंबानी ने अपने आप को दिवालिया कानून के अंतर्गत दिवालिया घोषित कर दिया है। दिवालिया कानून की आड़ में खुद को निर्दोष साबित कर दिया। अब अनिल अंबानी सरकार की सरपरस्ती में नई कंपनियों के जरिए फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन जैसी विदेशी कंपनियों के साथ हवाई जहाज बनाकर उड़ा रहे हैं। क्या इसे बैंकों की लूट और न्याय व्यवस्था की सुनियोजित हत्या नहीं मानी जानी चाहिए? एनसीएलटी में जब रिलायंस कम्युनिकेशन का मामला पहुंचा तो दावा किया गया, कि कंपनी के ऊपर 47,000 करोड़ का बकाया है। सेटलमेंट के नाम पर दिवालिया कानून के तहत बैंकों को मात्र 455 करोड़ रुपए की राशि मिली। जो कुल कर्ज का सिर्फ 0.92 फीसदी है। बाकी पैसा डूबत खाते में लिखकर बैंक की बैलेंस शीट को पाक-साफ कर दिया गया। यह रकम किसी उद्योगपति की जेब से नहीं आई थी। सरकारी खजाने से भी यह राशि नहीं आई। बैंकों ने शुल्क बढ़ाकर ग्राहकों से वसूल किया। बैंक की ब्याज दरें घट गईं, तरह-तरह से शुल्क वसूल किए जाने लगे। देश की आम जनता की मेहनत की कमाई जो बैंकों में जमा थी उस पर आम जनता को भारी टैक्स देना पड़ रहा है।

विडंबना देखिए, अंबानी ने एनसीएलटी में राहत पाने के लिए आईबीसी की धारा 32 ए का सहारा लिया। इस नियम के अंतर्गत दिवालिया प्रक्रिया को मंजूरी मिल जाती है, तो पुरानी जिम्मेदारियों से कंपनी और उनके डायरेक्टर कर्ज से मुक्त माने जाते हैं। कारपोरेट जगत को फायदा पहुंचाने के लिए यही कानूनी जाल है। करोड़ों-हज़ारों का घोटाला कानून के मुताबिक जायज़ बन जाता है। यह सुविधा आम आदमी के लिए नहीं है। सवाल यह है, क्या कोई आम आदमी 50 लाख का लोन न चुका पाए तो उसे भी ऐसी छूट मिलेगी? नहीं। उसके घर पर ताला जड़ दिया जाएगा। बैंक नोटिस चस्पा कर संपत्ति पर कब्जा कर लेगी। जब कोई उद्योगपति हजारों करोड़ डुबो देता है, तो उसे नई शुरुआत करने सरकार और बैंकों से फिर से सहायता मिल जाती है। उनकी निजी संपत्ति और मकान इत्यादि सुरक्षित रहते हैं। सरकार मूकदर्शक बनकर तमाशा देखती रहती है। यह मामला सिर्फ अंबानी का नहीं है, यह कारपोरेट जगत के सिस्टम का आईना है। जहां भ्रष्टाचार को ही नीति बना दिया गया है। कारपेट जगत के लोग सरकार और बैंकों के अधिकारी मिलकर इस लूट में शामिल होते हैं। अब भी जवाबदेही तय नहीं हुई, तो भविष्य में और भी बड़े कॉरपोरेट दिवालिया होकर अमीर बनने के नए-नए इतिहास गढ़ेंगे। आम जनता हर महीने बैंक की लाइन में खड़ी होकर तरह-तरह के शुल्क देकर लूट की भरपाई करती रहेगी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है, भारत में अब दो तरीके के कानून प्रचलित हैं एक कानून कॉरपोरेट जगत और समर्थ लोगों के लिए और दूसरा कानून आम जनता और गरीब लोगों के लिए है। न्यायपालिका में भी अब यही स्थिति देखने को मिलती है। न्यू इंडिया का यह नया आर्थिक मॉडल है, जहां कारपोरेट जगत की लूट को कानून का कवच मिला हुआ है। इस कवच के सहारे वह बैंकों को दिनदहाड़े लूट रहे हैं। लूट कर विदेशों में भाग जा रहे हैं।

यहां रहते हुए भी उन्हें सरकार और बैंक की सहायता मिल रही है। आम आदमी को जरूर हर तरह से लूटा जा रहा है। आम लोगो को अपने अधिकार और अपने मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए स्वयं आगे आना पड़ेगा अन्यथा यह क्रॉनि पूंजीवाद लोगों को गुलामी की दशा में ले जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत का खिलौना उद्योग अब घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग कर रहा हैः पीयूष गोयल

सरकार खिलौना क्षेत्र के लिए एक नई प्रोत्साहन योजना शुरू करने की तैयारी में

नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कभी आयात पर निर्भर रहने वाला भारत का खिलौना उद्योग अब घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है और 153 देशों को निर्यात कर रहा है।

हाल ही में 16वें टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2025 को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि यह बदलाव लगातार नीतिगत समर्थन, गुणवत्ता मानकों के प्रवर्तन और लोकल मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर को मजबूत करने के माध्यम से संभव हुआ है।

उन्होंने कहा कि गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) के कार्यान्वयन ने भारत को गुणवत्ता के प्रति जागरूक देश बनाने में मदद की है और घरेलू खिलौना निर्माताओं को वैश्विक मानदंडों को पूरा करने में सक्षम बनाया है।

भारत की 1.4 बिलियन की आबादी एक विशाल कैप्टिव बाजार प्रदान करती है, जो मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने के लिए एक स्वाभाविक लाभ पैदा करती है। इस पैमाने के साथ, उद्योग लागत दक्षता प्राप्त कर सकता है और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बन सकता है।

उन्होंने कहा कि बड़ा घरेलू बाजार न केवल विस्तार का समर्थन करता है बल्कि अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए आधार का काम भी करता है। उन्होंने बताया कि सरकार खिलौना क्षेत्र के लिए एक नई प्रोत्साहन योजना शुरू करने की तैयारी में है।

इस योजना का उद्देश्य भारतीय खिलौना निर्माताओं की डिजाइन क्षमताओं को बढ़ाकर, गुणवत्तापूर्ण मैन्युफैक्चरिंग सुनिश्चित कर, पैकेजिंग मजबूत कर और ब्रांड निर्माण को समर्थन देकर उन्हें विश्व स्तरीय बनने में मदद करना है।

केंद्र ने पुल, फ्लाईओवर, सुरंग वाले राजमार्गों के लिए टोल रेट्स में 50 प्रतिशत तक की कटौती की

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वाहन चालकों को बड़ी राहत देते हुए राष्ट्रीय राजमार्गों के कुछ हिस्सों पर टोल रेट्स में 50 प्रतिशत तक की कमी की है। इन हिस्सों में सुरंग, पुल, फ्लाईओवर और एलिवेटेड रोड जैसे स्ट्रक्चर शामिल हैं। इस कदम का उद्देश्य यात्रा की लागत को कम करना और सड़क यात्रा को लोगों के लिए अधिक किफायती बनाना है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियम, 2008 में संशोधन किया है और टोल चार्ज की गणना के लिए एक नया फॉर्मूला अधिसूचित किया है। नए नियम के अनुसार, अब टोल की गणना इस तरह से की जाएगी कि राजमार्ग के उन हिस्सों पर शुल्क में कमी आएगी, जिनमें मुख्य रूप से महंगे इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। अधिसूचना के अनुसार, अगर राष्ट्रीय राजमार्ग के किसी हिस्से में फ्लाईओवर या सुरंग जैसे स्ट्रक्चर शामिल हैं तो टोल की गणना या तो स्ट्रक्चर की लंबाई का दस गुना या राजमार्ग खंड की कुल लंबाई का पांच गुना दोनों में से कम मूल्य के आधार पर की जाएगी। मंत्रालय ने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर राजमार्ग का 40 किलोमीटर का हिस्सा पूरी तरह से पुल या फ्लाईओवर जैसे स्ट्रक्चर से बना है तो टोल की गणना स्ट्रक्चर की लंबाई का 10 गुना (400 किमी) या कुल लंबाई का 5 गुना (200 किमी) में से कम मूल्य आधार यानी 200 किमी के आधार पर की जाएगी, जिससे प्रभावी रूप से दर आधी हो जाएगी। इससे पहले, वाहन चालकों को ऐसे स्ट्रक्चर के प्रत्येक किलोमीटर के लिए नियमित टोल दर से दस गुना अधिक भुगतान करना पड़ता था, क्योंकि इस प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण और रखरखाव अधिक महंगा होता है। इस बीच, परेशानी मुक्त राजमार्ग यात्रा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले महीने निजी वाहनों के लिए एक नए फास्टैग-आधारित वार्षिक पास की घोषणा की। 3,000 रुपए की कीमत वाला यह पास इस साल 15 अगस्त से उपलब्ध होगा। विशेष रूप से गैर-वाणिज्यिक निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए डिजाइन किया गया यह वार्षिक पास एक्टिवेशन की तारीख से एक वर्ष तक या 200 यात्राओं तक, जो भी पहले हो, तक वैलिड रहेगा।

मद्रास हाई कोर्ट का फैसला, विदेशी आयुर्वेदिक दवाओं के आयात के लिए अनिवार्य होगा लाइसेंस

चेन्नई।

मद्रास हाई कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि विदेशों से आयुर्वेदिक दवाएं या उत्पाद भारत में मंगवाने के लिए आयात लाइसेंस लेना अनिवार्य है। कोर्ट ने यह फैसला एक केस की सुनवाई के दौरान सुनाया जिसमें सिंगापुर से आयात की जा रही एक आयुर्वेदिक दवा को कस्टम विभाग द्वारा रोका गया था। यह मामला लेंग काई फूक मेडिकल कंपनी (सिंगापुर) द्वारा निर्मित एक आयुर्वेदिक तेल 'कोडलाई थाईलम' से जुड़ा है। इस तेल को भारत में एक्सेन मार्केटिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जो चेन्नई के मंडैवेली में स्थित है, आयात कर रही थी और यहां बेच रही थी। हाल ही में अरुंबक्कम स्थित राज्य प्राधिकरण ने एक्सेन कंपनी को एक नोटिस भेजा, जिसमें कहा गया कि कोडलई थैलम का आयात करने के लिए उनके पास वैध लाइसेंस होना चाहिए। इसके बाद, कस्टम अधिकारियों ने सिंगापुर से आई इस दवा की खेप को जब्त कर लिया। इस कार्रवाई के विरोध में एक्सेन कंपनी ने मद्रास हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की और मांग की कि उनकी जब्त की गई दवा की खेप छोड़ी जाए। इस मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार राममूर्ति ने सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि 'कोडलाई थाईलम' एक कस्टम टैरिफ कैटेगरी के अंतर्गत आता है और यह एक आयुर्वेदिक दवा है, जो निरीक्षण के अधीन है। उन्होंने यह भी कहा कि आयुर्वेदिक उत्पादों पर भी औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम लागू होता है, और इसलिए सभी प्रकार की औषधियों के आयात के लिए लाइसेंस होना अनिवार्य है।

भारत में हर घंटे 60 अतिरिक्त उड़ानें जुड़ी और हर 40 दिन में एक नया हवाई अड्डा बना - नागरिक उड्डयन मंत्री

नई दिल्ली।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि हर 40 दिन में एक नए हवाई अड्डे के साथ देश में मात्र 10 वर्षों में 88 नए हवाई अड्डे बने हैं और हर घंटे 60 अतिरिक्त उड़ानें जुड़ी हैं। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, आज भारत में उड़ान भरना अधिक सुलभ और किफायती हो चुका है। केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारतीय आकाश अधिक जुड़ा हुआ, प्रतिस्पर्धी और सहयोगात्मक है। उन्होंने समावेशी विमानन विकास को प्राप्त करने के लिए सहयोगात्मक, राज्य-विशिष्ट रणनीतियों के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता दोहराई। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा आयोजित उत्तर क्षेत्र नागरिक उड्डयन मंत्रियों का सम्मेलन 2025 में केंद्रीय मंत्री ने कहा, इस रणनीतिक पहल के माध्यम से हमारा उद्देश्य क्षेत्रीय अवसरों की पहचान करना और टियर 2 और 3 श्रेणी के शहरों की अपार क्षमता को साकार करना है। कार्यक्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिक उड्डयन क्षेत्र राज्य में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, पर्यटन और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने नागरिक उड्डयन क्षेत्र में हो रही प्रगति की सराहना की और राज्य की पहाड़ी भू-भागों में हेलीकॉप्टर संचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की महत्ता को रेखांकित किया, जिसके लिए राज्य सरकार और मंत्रालय दोनों प्रतिबद्ध हैं। मंत्रालय द्वारा विमानन क्षेत्र में राज्यों के लिए अवसरों पर कई प्रस्तुतियां दी गईं।

बीते सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार ने दो हफ्ते की बढ़त गंवाई

सेंसेक्स 193 अंक बढ़कर 83,432.89 अंक पर बंद

निफ्टी 55 अंक बढ़कर 25,461 अंक पर बंद

मुंबई।

घरेलू शेयर बाजार ने बीते सप्ताह दो हफ्ते की बढ़त गंवा दी। बाजार के जानकारों ने कहा कि वित्तीय सेक्टर में बड़ी साप्ताहिक गिरावट से बाजार में दबाव रहा। वहीं टैरिफ डेडलाइन से पहले निवेशक बाजार में सतर्क बने रहे। बीते सप्ताह शेयर बाजार के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की सपाट शुरुआत हुई। हालांकि, थोड़ी देर में ही बाजार लाल निशान पर आ गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 182.77 अंक गिरकर 83,876.13 पर खुला और 452.44 अंक गिरकर 83,606.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 46.25 अंक गिरकर 25,591.55 पर खुला और 120.75 अंक गिरकर 25,517.05 अंक पर बंद हुआ। हफ्ते के पहले दिन हुई गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को हरियाली लौटी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 177.79 अंक चढ़कर 83,784.25 पर खुला और 90.83 अंक उछलकर 83,697.29 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 51.2 अंक चढ़कर 25,568.25 पर खुला और 24.75 अंक बढ़कर 25,541.80 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को भी हरियाली बरकरार रही। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 236.56 अंक चढ़कर 83,933.85 पर खुला और 287.60 अंक गिरकर 83,409.69 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 66.3 अंक चढ़कर 25,608.10 पर खुला और वहीं एनएसई निफ्टी 88.40 अंक गिरकर 25,453.40 अंक पर बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के बीच एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख को दर्शाते हुए गुरुवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी रही। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 242.83 अंक चढ़कर 83,652.52 अंक पर खुला और 170.22 अंक गिरकर 83,239.47 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 83.65 अंक चढ़कर 25,537.05 अंक पर खुला और 48.10 अंक गिरकर 25,405.30 अंक पर बंद हुआ।

लगातार मांग बढ़ने से तांबे की कीमतें 980-1,020 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंचने के लिए तैयार : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

तांबे की कीमत 10,000 डॉलर की सीमा के करीब पहुंचने के बाद, घरेलू मोर्चे पर 980-1,020 रुपए प्रति किलोग्राम और लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) पर 10,800-11,000 डॉलर प्रति मीट्रिक टन तक पहुंचने के लिए तैयार है। यह जानकारी शनिवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार, अधिशेष अनुमानों और लगातार मांग संबंधी चिंताओं के बीच नाजुक संतुलन बने हुए हैं। इस बीच अमेरिकी डॉलर में गिरावट, ट्रेजरी यील्ड में नरमी आने और ब्याज दरों में कटौती या कम वृद्धि की उम्मीदों सहित अनुकूल परिस्थितियां तांबे के लिए आगे की ओर बढ़ने की प्रवृत्ति का नेतृत्व कर रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, अमेरिकी डॉलर इंडेक्स तीन वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर है, क्योंकि ट्रेजरी यील्ड में नरमी आई है और दरों में कटौती या कम वृद्धि की उम्मीदें हैं। डॉलर में नरमी और निवेशकों के बीच जोखिम उठाने की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण कीमतों में और वृद्धि के लिए अनुकूल माहौल बन रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, तांबे के स्टॉक कम हो रहे हैं, जिससे वायदा कीमतों में भारी गिरावट आ रही है। एलएमई कैश-3एम स्प्रेड 100 डॉलर से ऊपर चला गया है, जो दर्शाता है कि तत्काल डिलीवरी के लिए तांबे की कमी है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के ग्रुप सीनियर वीपी-कमोडिटी रिसर्च, नवनीत दमानी ने कहा, कॉपर कॉम्प्लेक्स में सेंटीमेंट बदल रहा है और बाजार प्रतिभागी जो पहले सावधानी से पोजीशन ले रहे थे, वे धीरे-धीरे शॉर्ट कवर कर रहे हैं। कमोडिटी ट्रेडिंग सलाहकारों और सिस्टमैटिक फंड्स ने अपने दांव पलट दिए हैं क्योंकि मजबूत मांग और कम इन्वेंट्री ने उन्हें पोजीशन पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है।

उन्होंने कहा, सेंटीमेंट में यह बदलाव अक्सर लंबी रैलियों से पहले आता है, खासकर जब व्यापक अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा हो

रिपोर्ट के अनुसार, एलएमई गोदाम के स्टॉक 1,00,000 टन से नीचे गिर गए हैं, जो लगभग दो वर्षों में सबसे कम स्तर है, जबकि कॉमेक्स स्टॉक तेज़ गति से बढ़ रहे हैं। इस आपूर्ति की कमी का मुख्य कारण व्यापारी बन रहे हैं, जो इस साल की शुरुआत में शुरू हुई तांबे के आयात की जांच के परिणामस्वरूप संभावित आयात शुल्क की प्रत्याशा में अमेरिकी बाजार में अनुमानित 400 किलोटन तांबे को जल्द से जल्द लाने की कोशिश कर रहे हैं।

इंडसइंड बैंक को इंडिया रेटिंग्स से राहत, लेकिन निगेटिव आउटलुक बरकरार

ऋणदाता के डेट इंस्ट्रूमेंट के लिए 'एए प्लस' रेटिंग की पुष्टि की

नई दिल्ली।

इंडिया रेटिंग्स ने निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक को रेटिंग वॉच विद नेगेटिव इंप्लीकेशंस दर्जे से हटा दिया है व ऋणदाता के डेट इंस्ट्रूमेंट के लिए 'एए प्लस' रेटिंग की पुष्टि की है। रेटिंग एजेंसी ने इन इंस्ट्रूमेंट्स पर नकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखा है, जो वित्त वर्ष 2025 में बैंक द्वारा कुल 4,920 करोड़ रुपये की कई अकाउंटिंग विसंगतियों और कमजोर आंतरिक नियंत्रण की रिपोर्टिंग से उत्पन्न चिंताओं को दर्शाता है। इंडिया रेटिंग्स ने 20 मार्च, 2025 को डेट इंस्ट्रूमेंट्स को 'रेटिंग वॉच विथ नेगेटिव इंप्लीकेशंस' पर रखा था, क्योंकि बैंक ने अपने डेरिवेटिव खाते की बैलेंस पोर्टफोलियो में विसंगतियों और इसकी कुल संपत्ति पर इसके प्रतिकूल प्रभाव के बारे में खुलासे किए थे। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के परिणाम घोषित करते हुए बैंक प्रबंधन ने कहा था कि उसने अनियमितताओं के लिए सक्रियता से वृद्धिशील प्रावधान किए हैं और कॉर्पोरेट बुक में रन-डाउन से 62,000 करोड़ रुपये नकदी का प्रावधन किया गया है। इससे तत्काल कोई कम अवधि के लिए नकदी की जरूरत नहीं होगी, लेकिन फ्रैंचाइज की स्थिरता को लेकर निकट से लेकर मध्यावधि तक चिंता जारी रहेगी।

यूपीआई से लेनदेन पर मिलेगा तीन फीसदी कैशबैक

भारत की कोल्हापुरी चप्पल को लाखों में बेच कर फंसी इटली की प्राडा ब्रांड

बॉम्बे हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर, माफी मांगने व मुआवजा देने की मांग

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत की कोल्हापुरी चप्पल को लाखों रुपए में बेच कर मुनाफा कमा रही इटली की फैशन लक्जरी ब्रांड फंस गई है। कोल्हापुरी चप्पलों के अनधिकृत इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए प्राडा के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में प्राडा पर भारतीय कारीगरों के डिजाइन की नकल करने का आरोप लगाया है और प्राडा से कारीगरों को मुआवजा देने के आदेश की मांग की गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला तब सुर्खियों में आया जब प्राडा ने हाल ही में अपने एक फैशन शो में अंगूठे वाली चप्पलों का कलेक्शन पेश किया। ऐसे एक जोड़ी चप्पल के लिए कंपनी ने एक लाख से सवा लाख रुपए तक कीमत वसूली। याचिका में कहा गया है कि प्राडा द्वारा प्रदर्शित चप्पलों का डिजाइन हूबहू कोल्हापुरी चप्पल से मिलता है। यह याचिका प्राडा समूह और महाराष्ट्र सरकार के कई अधिकारियों के खिलाफ दायर की गई है।

याचिका में प्राडा को बिना किसी अनुमति के इस चप्पल का व्यवसायीकरण और इस्तेमाल करने से रोके जाने की मांग की गई है। वहीं फैशन ब्रांड प्राडा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और कोल्हापुरी चप्पलों के इस्तेमाल की बात स्वीकार करने का निर्देश दिए जाने की भी अपील की गई है। याचिका में कहा गया है कि कोल्हापुरी चप्पल पहले से ही कानून के तहत जीआई के रूप में संरक्षित है। जनहित याचिका में कहा गया है कि कोर्ट प्राडा द्वारा अनधिकृत जीआई उपयोग पर स्थायी रोक लगाने और कारीगरों के समुदाय को प्रतिष्ठा और आर्थिक नुकसान के लिए मुआवजा दिए जाने का आदेश दे। इसमें जीआई-पंजीकृत मालिकों और कारीगरों के समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन करने के लिए प्राडा के खिलाफ जांच का अनुरोध किया गया है। जनहित याचिका में कहा गया है कि प्राडा ने निजी तौर पर स्वीकार किया है कि उसका यह संग्रह भारतीय कारीगरों से प्रेरित है, लेकिन उसने अभी तक मूल कारीगरों से माफी नहीं मांगी या उन्हें मुआवजा नहीं दिया है। याचिका में कहा गया है कि निजी तौर पर स्वीकृति आलोचना से बचने का एक सतही प्रयास मात्र प्रतीत होता है। बता दें भारत में इस बात को लेकर विवाद बढ़ने के बाद प्राडा ने माना कि डिजाइन भारतीय हस्तनिर्मित चप्पल से 'प्रेरित' है। प्राडा ने कहा कि 'मेन्स 2026 फैशन शो' में जो सैंडल प्रदर्शित की गई वे अब भी डिजाइन चरण में हैं और रैंप पर मॉडलों द्वारा पहनी गई, किसी भी चप्पल के व्यावसायीकरण की पुष्टि नहीं हुई है।

सप्लाई स्थिर होने और भू-राजनीतिक तनाव कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में आ सकता है उछाल

नई दिल्ली।

विशेषज्ञों ने शनिवार को कहा कि आपूर्ति पक्ष से सकारात्मक संकेत मिलने और भू-राजनीतिक तनाव कम होने के संकेत मिलने के कारण निकट भविष्य में कच्चे तेल की कीमतों में सुधार देखने को मिल सकता है। हालांकि मांग संबंधी चिंताओं के कारण वैश्विक धारणा प्रभावित हो रही है, लेकिन बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अगर प्रमुख तकनीकी स्तर कायम रहे तो कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आ सकता है। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चे तेल की कीमतें शुक्रवार को नरम रहीं, कम कारोबार और कमजोर वैश्विक मांग के बीच 65 डॉलर के मध्य रेंज के आसपास कारोबार कर रही थीं। हालांकि, विश्लेषक खासकर ओपेक प्लस बैठक और अमेरिकी टैरिफ की समयसीमा जैसे प्रमुख आयोजनों के साथ संभावित बदलाव की ओर इशारा कर रहे हैं। एंजेल वन लिमिटेड में कमोडिटीज और करेंसीज के मुख्य तकनीकी शोध विश्लेषक तेजस शिग्रेकर ने कहा कि क्रूड ऑयल आउटलुक मिश्रित बना हुआ है, लेकिन सतर्क आशावाद के कुछ कारण हैं। उन्होंने कहा कि खासकर चीन और यूरोजोन में ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में स्लोडाउन के कारण मांग प्रभावित हुई है। साथ ही ओपेक प्ल, उत्पादन में कटौती के कारण ग्लोबल सप्लाई अभी भी कम है। उन्होंने बताया, मुख्य रूप से सऊदी अरब और रूस के नेतृत्व में की गई इन कटौतियों ने कीमतों में अधिक गिरावट को रोकने में मदद की है। शिग्रेकर ने कहा, ओईसीडी देशों से मांग के कम अनुमानों के बावजूद, कॉर्डिनेटेड उत्पादन प्रतिबंध कीमतों को एक आधार प्रदान कर रहे हैं और जब तक सप्लाई पर कोई बड़ा झटका नहीं लगता, तब तक रणनीतिक खरीद द्वारा समर्थित क्रूड ऑयल फ्यूचर के व्यापक दायरे में बने रहने की संभावना है।

आईआईटी मद्रास एलुमनी मीट में बोले पीयूष गोयल, देश 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर

बेंगलुरु।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शनिवार को आयोजित आईआईटी मद्रास एलुमनी मीट 'संगम' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने और पांच प्रणों को लेकर विस्तार से बात की।

पीयूष गोयल ने कहा कि देश अब एक निर्णायक दौर में है, जहां हम भविष्य के भारत की नींव रख रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि 2014 में जब मोदी सरकार सत्ता में आई थी, तब भारत को दुनिया की सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था। लेकिन बीते 10 साल में देश ने बहुत सारे मिशनों पर काम किया, जिसमें स्वच्छ भारत, स्टार्टअप इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने आम आदमी तक पहुंच बनाई और जमीनी बदलाव लाए। पीयूष गोयल ने कहा कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चुका है और अगर यही रफ्तार बनी रही, तो 2027 तक हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकते हैं।

उन्होंने कहा, आज जो भी नीतियां बनाई जा रही हैं, वे आने वाले भविष्य के भारत को ध्यान में रखते हुए बनाई जा रही हैं। तकनीक को लेकर उन्होंने कहा कि भारत अब नई तकनीकों से डरता नहीं है, बल्कि उन्हें अपनाकर आगे बढ़ने का आत्मविश्वास रखता है। उन्होंने कहा कि यह आत्मविश्वास हमें दुनिया के बेहतरीन देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के योग्य बनाता है। कोविड महामारी के दौरान भारत ने 100 से ज्यादा देशों को वैक्सीन भेजी।

उन्होंने कहा कि दुनिया ने इसके लिए भारत को धन्यवाद दिया, लेकिन अफ्सोस की बात है कि कुछ लोग, विशेषकर कुछ राज्यों के नेता, इसे ठीक से समझ नहीं पाए।

भारत की कोल्हापुरी चप्पल को लाखों में बेच कर फंसी इटली की प्राडा ब्रांड

बॉम्बे हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर, माफी मांगने व मुआवजा देने की मांग

नई दिल्ली।

भारत की कोल्हापुरी चप्पल को लाखों रुपए में बेच कर मुनाफा कमा रही इटली की फैशन लक्जरी ब्रांड फंस गई है। कोल्हापुरी चप्पलों के अनधिकृत इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए प्राडा के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में प्राडा पर भारतीय कारीगरों के डिजाइन की नकल करने का आरोप लगाया है और प्राडा से कारीगरों को मुआवजा देने के आदेश की मांग की गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला तब सुर्खियों में आया जब प्राडा ने हाल ही में अपने एक फैशन शो में अंगूठे वाली चप्पलों का कलेक्शन पेश किया। ऐसे एक जोड़ी चप्पल के लिए कंपनी ने एक लाख से सवा लाख रुपए तक कीमत वसूली। याचिका में कहा गया है कि प्राडा द्वारा प्रदर्शित चप्पलों का डिजाइन हूबहू कोल्हापुरी चप्पल से मिलता है। यह याचिका प्राडा समूह और महाराष्ट्र सरकार के कई अधिकारियों के खिलाफ दायर की गई है। याचिका में प्राडा को बिना किसी अनुमति के इस चप्पल का व्यवसायीकरण और इस्तेमाल करने से रोके जाने की मांग की गई है। वहीं फैशन ब्रांड प्राडा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और कोल्हापुरी चप्पलों के इस्तेमाल की बात स्वीकार करने का निर्देश दिए जाने की भी अपील की गई है। याचिका में कहा गया है कि कोल्हापुरी चप्पल पहले से ही कानून के तहत जीआई के रूप में संरक्षित है। जनहित याचिका में कहा गया है कि कोर्ट प्राडा द्वारा अनधिकृत जीआई उपयोग पर स्थायी रोक लगाने और कारीगरों के समुदाय को प्रतिष्ठा और आर्थिक नुकसान के लिए मुआवजा दिए जाने का आदेश दे। इसमें जीआई-पंजीकृत मालिकों और कारीगरों के समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन करने के लिए प्राडा के खिलाफ जांच का अनुरोध किया गया है। जनहित याचिका में कहा गया है कि प्राडा ने निजी तौर पर स्वीकार किया है कि उसका यह संग्रह भारतीय कारीगरों से प्रेरित है, लेकिन उसने अभी तक मूल कारीगरों से माफी नहीं मांगी या उन्हें मुआवजा नहीं दिया है। याचिका में कहा गया है कि निजी तौर पर स्वीकृति आलोचना से बचने का एक सतही प्रयास मात्र प्रतीत होता है। बता दें भारत में इस बात को लेकर विवाद बढ़ने के बाद प्राडा ने माना कि डिजाइन भारतीय हस्तनिर्मित चप्पल से 'प्रेरित' है। प्राडा ने कहा कि 'मेन्स 2026 फैशन शो' में जो सैंडल प्रदर्शित की गई वे अब भी डिजाइन चरण में हैं और रैंप पर मॉडलों द्वारा पहनी गई, किसी भी चप्पल के व्यावसायीकरण की पुष्टि नहीं हुई है।

भारत /इंग्लैंड दूसरे टेस्ट: भारत ने लंच तक बनाये तीन विकेट पर 177 , कुल बढ़त 357

बर्मिंघम (एजेंसी)। केएल राहुल (55) और ऋषभ पंत (नाबाद 41) की शानदार पारियों के दम पर भारत ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन शनिवार को भोजनकाल तक तीन विकेट पर 177 रन बना लिये और उसकी कुल बढ़त 357 रनों की हो गई है।

भारत ने कल के एक विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में भारत को दूसरा झटका करूण नायर के रूप में लगा। उन्हें ब्राइडन कार्स ने विकेटकीपर स्मिथ के हाथों कैच आउट कराया। उस समय भारत का स्कोर 96 रन था। जॉश टंग ने भोजनकाल से पहले के एल राहुल को आउटकर भारत को दूसरा झटका दिया। के एल राहुल ने 84 गेंदों में 10 चौकों की मदद से (55) रनों की जुझारू पारी खेली।

भोजनकाल तक भारत ने तीन विकेट पर 177 रन बना लिये है और उसकी कुल बढ़त 357 रनों की हो गई है। कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 24) और ऋषभ पंत (नाबाद 41) बनाकर क्रीज पर है।

पहले सत्र में भारत ने दो विकेट गंवाए और कुल 111 रन बटोरे। भारत के पास अब 357 रनों की बढ़त और उसके हाथ में सात विकेट शेष हैं। पहले घंटे में गेंदबाजों को काफी मदद मिल रही थी और करुण नायर कार्स का शिकार बन गए। इसके बाद राहुल ने अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन वह टंग की अंदर आती गेंद पर गच्चा खा गए। हालांकि गिल दूसरे छोर पर डटे रहे और पंत ने आते ही आक्रमण चालू कर दिया। पंत को दो जीवनदान जरूर मिले लेकिन उन्होंने 35 गेंदों पर तेजी से पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 41 रन बना लिए हैं। अब अगले सत्र में भारत की नजर इस बढ़त को और आगे ले जाने पर होगी तो वहीं इंग्लैंड जल्द वापसी करने के इरादे से उतरेगा। इंग्लैंड की ओर से जॉश टंग ने दो विकेट लिये। ब्राइडन कार्स ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले भारत ने पहली पारी में 587 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। वहीं इंग्लैंड ने पहली पारी में 407 रन बनाये थे।

भारत के खिलाफ इंग्लैंड की महिला टीम को लगा झटका, इंग्लिश कप्तान सिवर-ब्रंट चोट के कारण सीरीज से बाहर

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकट टीम मौजूदा समय में इंग्लैंड दौरे पर हैं। जहां वह इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। इस सीरीज के बीच में इंग्लिश टीम को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, टीम की कप्तान चोट के कारण बाकी बचे हुए मैचों से बाहर हो गई है।

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 सीरीज में बड़ा झटका लगा है। टीम की कप्तान नैट सिवर ब्रंट चोट के चलते सीरीज से बचे हुए मैचों से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह हैम्पशर की प्रतिभाशाली बल्लेबाज माइया बाउचर को टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सिवर- ब्रंट की कमर में चोट के कारण वह सीरीज से बाहर हो गई हैं। हालांकि, उम्मीद है कि वह आगामी वनडे सीरीज के लिए पूरी तरह से फिट हो जाएंगी।

सीरीज में 2-1 से पीछे चल रही इंग्लिश टीम के लिए ये खबर किसी बड़े झटके से कम नहीं है। सिवर-ब्रंट ने पहले दो टी20 मैचों में कप्तानी की थी लेकिन भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन किया हालांकि, तीसरे मैच में भारतीय टीम को हार झेलनी पड़ी। ब्रंट तीसरे टी20 मैच में भी नहीं खेली थी उनकी जगह टैमी ब्यूमोंट ने टीम की अगुवाई की थी। अब बाकी बचे दो मैचों में भी टैमी ब्यूमोंट ही कप्तानी संभालेंगी।

वैभव सूर्यवंशी बल्ले से मचा रहे कहर, इंग्लैंड के खिलाफ इतनी कम गेंदों में शतक ठोक कर रच दिया इतिहास

लंदन (एजेंसी)। वॉर्सेस्टर में भारत और इंग्लैंड की अंडर-19 टीम के बीच वनडे सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जा रहा है। इस मुकाबले में भारत के युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने महज 52 गेंदों में 10 चौकों और 7 छक्कों की मदद से शतक पूरा किया। ये अंडर-19 क्रिकेट के इतिहास में अब तक का सबसे तेज शतक है।

वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे वनडे मैच में अपना अर्धशतक सिर्फ 24 गेंदों में पूरा किया और इसके बाद उन्होंने अपना शतक 52 गेंदों में लगाया। अपनी शतकीय पारी के दौरान वैभव के बल्ले से 8 छक्के और 10 चौके निकले। वैभव यूथ वनडे में भारत की तरफ से सबसे तेज शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में वैभव 86 रन पर आउट हो गए थे। शतक से चूक गए थे, लेकिन चौथे मैच में उन्होंने इस कसर को पूरा कर लिया और अपना शतक जड़ा। 14 वर्षी वैभव का यूथ वनडे मैचों में ये करियर का पहला शतक रहा। वैभव ने इस मैच में 78 गेंदों पर 143 रन की पारी खेली और इस दौरान उन्होंने 10 छक्के और 13 चौके लगाए। इस पारी के दौरान उनका स्ट्राइक रेट 183.33 का रहा।

भारत आखिरी ओवर में चूका, इंग्लैंड ने 5 रन से जीता तीसरा टी20

लंदन (एजेंसी)। केनिंग्टन ओवल में शुक्रवार रात भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की महिला टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम के पास ऐतिहासिक सीरीज जीतने का मौका था, मगर आखिरी ओवरों में बल्लेबाजों के लड़खड़ाने से भारत 5 रन से हार गया। भारत अभी इस सीरीज में 2-1 से आगे है। खेले गए तीसरे टी20 मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और सोफिया डंकले (75) और डैनी व्याट-हॉज (66) की तूफानी साझेदारी से 137 रन जोड़े। इस जबरदस्त शुरुआत के बावजूद इंग्लैंड की पारी 20 ओवर में 9 विकेट पर 171 रन पर सिमट गई। 25 गेंदों में 31 रन के भीतर नौ विकेट गिरने से उनकी पारी ताश के पत्तों की तरह ढह गई। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने 3/27 और अरुंधति रेड्डी ने 3/32 के आंकड़े दर्ज किए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत भी धमाकेदार रही। स्मृति मंधाना (56) और शेफाली वर्मा (47) ने कई जीवनदानों का फायदा उठाकर पहले विकेट के लिए 85 रन जोड़े। शेफाली ने 25 गेंदों में सात चौके जड़े और मंधाना ने 38 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत पावरप्ले में 61 रन बना चुका था और 16वें ओवर तक मुकाबला पूरी तरह उसकी पकड़ में था। मगर लॉरेन फाइलर ने 16वें ओवर में मंधाना को आउट कर भारत की गति तोड़ी। इसके बाद इंग्लैंड की गेंदबाजों ने वापसी की। सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन बेल और इस्सी वोंग ने दबाव बनाए रखा। भारत को आखिरी गेंद पर 6 रन चाहिए थे, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर (23) बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में आउट हो गईं और टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 166 रन ही बना सकी।

इंग्लैंड के लिए फाइलर ने 2/30 का शानदार स्पेल किया और अंतिम ओवरों में बेल ने अहम विकेट लेकर इंग्लैंड की जीत सुनिश्चित कर दी। मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा कि 16वें ओवर तक मैच उनके हाथ में था, लेकिन ओस के असर और रणनीति में कमी से टीम चूक गई। उन्होंने गेंदबाजों और फील्डर्स की तारीफ की और माना कि विपक्ष की अच्छी शुरुआत के बावजूद टीम ने शानदार वापसी की। इंग्लैंड की पारी में डंकले ने सात चौके और एक छक्का लगाया जबकि व्याट-हॉज ने सात चौके और तीन छक्के जड़े। भारतीय गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में शानदार वापसी कर इंग्लैंड को संभलने नहीं दिया। अब भारत की नजर मैनचेस्टर में बुधवार को होने वाले चौथे मुकाबले पर होगी, जहां जीत हासिल कर वह ऐतिहासिक सीरीज अपने नाम करना चाहेगा।

अस्ताना में विश्व मुक्केबाज़ी कप में भारत की पदक झोली में बढ़ोतरी

-नूपुर फाइनल में, अविनाश सेमीफाइनल में पहुंचे

अस्ताना । कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में चल रहे विश्व मुक्केबाज़ी कप में भारत ने अपने पदकों की संख्या बढ़ा ली है और मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है। महिलाओं के 80 किलोग्राम वर्ग में भारत की नूपुर ने सेमीफाइनल में जबरदस्त खेल दिखाते हुए तुर्की की सेमा दुस्ताज को 5-0 के एकतरफा फैसले से हराकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। उनके इस जीत के साथ भारत को कम से कम एक रजत पदक सुनिश्चित हो गया है। नूपुर के आत्मविश्वास और आक्रामक रणनीति ने पूरे मुकाबले में विरोधी को कोई मौका नहीं दिया और उन्होंने जजों से सर्वसम्मत फैसला हासिल किया। इससे पहले शुक्रवार को पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में अविनाश जामवाल ने भी अपने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर भारत के लिए एक और पदक पक्का किया। उन्होंने अमेरिका के रेने कैमाचो को सर्वसम्मत निर्णय से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। अविनाश का मुकाबला भी पूरी तरह उनके नियंत्रण में रहा और उनकी सटीक पंचों और बेहतरीन डिफेंस का प्रतिद्वंद्वी के पास कोई जवाब नहीं था। हालांकि कुछ भारतीय मुक्केबाज़ों का सफर क्वार्टर फाइनल में थम गया। नीरज फोगाट (65 किग्रा) और अनामिका (51 किग्रा) अपने-अपने मुकाबलों में हार गए। नीरज ने कड़े मुकाबले में शानदार संघर्ष किया लेकिन विभाजित निर्णय में 3-2 से पराजित हो गए, जिससे उनका अभियान समाप्त हो गया।

लंबे समय से इस दिन का इंतजार था : सिराज

नई दिल्ली । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में अपने करियर का यादगार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 6 विकेट लेकर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। यह खास उपलब्धि सिराज के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि उन्होंने 548 दिन बाद टेस्ट क्रिकेट की किसी एक पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट चटकाए। अपने इस प्रदर्शन को उन्होंने 'अविश्वसनीय' करार देते हुए कहा कि वे लंबे समय से इस दिन का इंतजार कर रहे थे। सिराज इस मैच में भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई कर रहे हैं क्योंकि नियमित कप्तान और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस मुकाबले के लिए आराम दिया गया है। सिराज ने तीसरे दिन शानदार गेंदबाजी करते हुए पहले सत्र में ही इंग्लैंड की आधी टीम को महज 84 रन पर पवेलियन लौटा दिया।

उन्होंने दिन के दूसरे ओवर में लगातार दो विकेट झटके और मैच का रुख पलट दिया। हालांकि इसके बाद इंग्लैंड के बल्लेबाज जेमी स्मिथ (नाबाद 184) और हैरी ब्रूक (158) ने 303 रन की जबरदस्त साझेदारी करके भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाया और स्कोर को 407 रन तक पहुंचा दिया। सिराज ने कहा कि इस पिच पर गेंदबाजी करना आसान नहीं था क्योंकि विकेट धीमी थी। उन्होंने कहा, यह अविश्वसनीय है क्योंकि मैं लंबे समय से इसका इंतजार कर रहा था। मैं लगातार अच्छी गेंदबाजी कर रहा था, लेकिन विकेट नहीं मिल रहे थे। यहां छह विकेट लेना मेरे लिए बहुत खास है। विकेट काफी धीमी थी, इसलिए अनुशासन बनाए रखना जरूरी था। मेरा ध्यान कसी हुई लाइन लेंथ के साथ गेंदबाजी करने और रन रोकने पर था।

6 विकेट सिराज की मेहनत का इनाम हैं : सचिन

-शिराज की घातक गेंदबाज़ी पर फिदा हुए तेंदुलकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाज़ी करके मैच का पूरा नक्शा बदल दिया। मोहम्मद सिराज ने 70 रन देकर छह विकेट चटकाकर इंग्लैंड की मजबूत पारी की कमर तोड़ दी, जबकि आकाश दीप ने 88 रन देकर चार विकेट लेकर उनका शानदार साथ दिया। इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 407 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में भारत ने अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 64 रन बनाकर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली।

सिराज के इस धमाकेदार प्रदर्शन पर महान बल्लेबाज मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर भी उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। सचिन ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा, ÷सिराज में मैंने जो सबसे बड़ा बदलाव देखा है, वह है गेंद को सही जगह पर पहुंचाने में उनकी सटीकता और निरंतरता। उनकी मेहनत का इनाम उन्हें 6 विकेट के रूप में मिला। आकाश दीप ने भी उनका बहुत अच्छा साथ दिया। शाबाश !÷ सचिन ने इंग्लैंड की पारी में ब्रुक और स्मिथ की साझेदारी की भी तारीफ की, जिन्होंने दबाव में रहते हुए बेहतरीन जवाबी हमला किया और अपनी टीम को भारत के स्कोर के करीब पहुंचा दिया, जिसकी किसी ने उम्मीद भी नहीं की थी।

मैच की बात करें तो तीसरे दिन इंग्लैंड की पारी में उतार-चढ़ाव खूब देखने को मिले। इंग्लैंड के ब्रुक और स्मिथ ने मुश्किल हालात में शानदार बल्लेबाज़ी की और भारतीय गेंदबाज़ों पर दबाव बनाया। लेकिन सिराज और आकाश दीप ने लगातार सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाज़ी करते हुए इंग्लैंड के मिडिल और निचले क्रम को ध्वस्त कर दिया। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज ने गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करते हुए दिखा दिया कि भारतीय गेंदबाजी सिर्फ एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। उनकी अगुआई में गेंदबाजों ने मिलकर इंग्लैंड की पूरी पारी 407 रन पर समेट दी।

दूसरी पारी में भारत ने ठोस शुरुआत की और पहले दिन के खेल के खत्म होने तक एक विकेट पर 64 रन बना लिए थे। इससे भारत ने मैच में अपनी स्थिति को और मजबूत कर लिया है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि भारत चौथे दिन अपनी बढ़त को कितनी मजबूती दे पाता है और क्या सिराज दूसरी पारी में भी इसी तरह का शानदार प्रदर्शन दोहरा पाएंगे। भारतीय प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि सिराज की अगुवाई में गेंदबाज फिर से कमाल दिखाएंगे और टीम को जीत दिलाएंगे।

पाक टीम के कोच की मैकडरमॉट संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी शेन मैकडरमॉट को पाकिस्तान ने अपनी राष्ट्रीय टीम का नया फील्डिंग कोच नियुक्त किया है। पाकिस्तान के नए व्हाइट-बॉल हेड कोच माइक हेसन की सिफारिश पर उन्हें चुना गया है। वह सभी प्रारूपों में यह जिम्मेदारी निभाएंगे और उनके दौरे से पहले टीम से जुड़ने की उम्मीद है। इस सप्ताह के अंत तक उनकी नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा हो सकती है। 44 वर्षीय मैकडरमॉट के पास अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट में कोचिंग का लंबा अनुभव है। वह हाई परफॉर्मेंस लेवल थ्री कोचिंग सर्टिफिकेट धारक हैं और बांग्लादेश, श्रीलंका, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट एसोसिएशन और क्रिकेट तस्मानिया जैसी टीमों के साथ काम कर चुके हैं। 2022-23 में वह बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम के सहायक फील्डिंग कोच रहे लेकिन तत्कालीन हेड कोच चंदिका हथुरूसिंघे के साथ मतभेदों के चलते उनका कार्यकाल खत्म हो गया। इससे पहले मैकडरमॉट ने श्रीलंका की सीनियर पुरुष टीम के साथ तीन साल तक फील्डिंग कोच की भूमिका निभाई और वहां श्रीलंका ए टीम की कमान भी संभाली। बांग्लादेश के बाद वह अफगानिस्तान के कोचिंग स्टाफ में शामिल हुए और हाल ही में जून 2024 में खेले गए आईसीसी टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की ऐतिहासिक सेमीफाइनल यात्रा में उनके योगदान की काफी सराहना हुई। अपने करियर के शुरुआती दौर में वह 2012 से 2019 तक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के नेशनल क्रिकेट सेंटर में कई भूमिकाओं में सक्रिय रहे। इस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए टीम के अंतरिम सहायक/ फील्डिंग कोच और विश्लेषक की भूमिका भी निभाई। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए बांग्लादेश दौरे से व्यस्त कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसके बाद टीम वेस्टइंडीज में पांच मैचों की टी20 श्रृंखला खेलेगी। इस सप्ताह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद को टेस्ट टीम का कार्यवाहक मुख्य कोच नियुक्त किया है। साथ ही बोर्ड सलमान आगा को सभी प्रारूपों का कप्तान बनाए जाने की तैयारी कर रहा है, जिससे शान मसूद (टेस्ट) और मोहम्मद रिजवान (वनडे) की कप्तानी समाप्त हो जाएगी।

भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम यूरोप दौरे के लिए हुई नीदरलैंड रवाना

बेंगलुरु । कप्तान संजय और उप-कप्तान मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह की अगुवाई में भारत 'ए' पुरुष हॉकी टीम आठ से 20 जुलाई तक चलने वाले यूरोप दौरे के लिए शनिवार सुबह नीदरलैंड के लिए रवाना हो गई। भारत 'ए' टीम यूरोप के तीन शहरों में कुल आठ मैच खेलेगा। भारतीय 'ए' टीम आइंडहोवन (नीदरलैंड) में आयरलैंड, फ्रांस और नीदरलैंड के खिलाफ दो-दो मैच तथा एम्सटेलवीन (नीदरलैंड), एंटवर्पन (बेल्जियम) में इंग्लैंड और बेल्जियम के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगा। यूरोपीय दौरे पर रवाना होने से पहले भारत 'ए' के कप्तान संजय ने कहा, 卐यह दौरा हमारे लिए अपनी ताकत और कमजोरियों को जानने का एक अच्छा परीक्षण मैदान होगा। हमारे पास अनुभवी खिलाड़ियों और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। यह दौरा हमें यह आकलन करने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा प्रदान करेगा कि हम कहाँ खड़े हैं। इस तरह के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन से हमें भविष्य में अपनी मुख्य टीम को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।' उप-कप्तान मोइरंगथेम ने कहा, 卐यह दौरा टीम को शीर्ष यूरोपीय टीमों के खिलाफ खेलने की विभिन्न गतिशीलता और तीव्रता को समझने में मदद करेगा। यहां कुछ युवा खिलाड़ियों को भारत में उनके द्वारा उपयोग की जाने वाली गति से बहुत अलग गति से हॉकी का अनुभव प्रदान करेगा। हमें उम्मीद है कि यह प्रदर्शन हमें और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करेगा।'

विराट ने बताया किस प्रकार अनुष्का के परिवार का हिस्सा बन गए

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के अपनी पत्नी अनुष्का के परिवार वालों के साथ भी काफी अच्छे संबंध हैं। विराट और अनुष्का की शादी साल 2017 को हुई थी। उसके बाद से ही कई बार, अनुष्का के माता-पिता को उनके साथ या बच्चों के साथ खास समय बिताते उन्हें देखा गया है। वहीं एक साक्षात्कार में विराट ने कहा था कि कैसे वह आसानी से अनुष्का के परिवार का हिस्सा बन गए। इस बातचीत में साथी क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा, 'आपने अनुष्का के माता-पिता को अपने माता-पिता की तरह अपना लिया है।' इसपर विराट ने जवाब दिया, 'यह बहुत खास है। पहले दिन से ही ये रिश्ता काफी खूबसूरत था। पहले ही दिन से, जब भी अनुष्का से से मिला या मिलने गया, मुझे कभी अलग महसूस नहीं हुआ। ' विराट ने अनुष्का के पिता और पूर्व सेना अधिकारी अजय कुमार शर्मा के साथ अपने रिश्ते के बारे में भी बात की थी। उन्होंने बताया किया, 'अब भी, मेरे ससुर और मैं दोस्त की तरह हैं। मैं उनसे सब कुछ साझा कर सकता हूं। वह सेना अधिकारी रहे हैं इस कारण उनका रवैया बहुत निडर और स्पष्ट है। जब मैं उनसे किसी भी चीज के बारे में बात करता हूं, तो वो पल खास होता है।' विराट ने अनुष्का की मां और भाई की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'मेरी सासू मां और मेरे साले भी बहुत अच्छे इंसान हैं। सब इतने प्यारे और दिल से अपनाने वाले हैं कि कभी लगा ही नहीं कि मैं अलग हूं।'' विराट ने आगे कहा, 'वे सभी इतने दिल से स्वीकार करने वाले और स्वागत करने वाले हैं। आप उनके साथ रहेंगे तो आप महसूस करेंगे कि जब आप इतने स्वाभाविक रूप से उन लोगों के साथ मिल जाते हैं, जो आपको इतनी जल्दी स्वीकार करते हैं कि रिश्ते केवल आपसी सम्मान और समझ और बिना शर्त प्यार पर आधारित होते हैं।'

डी. गुकेश का कमाल, 19 साल की उम्र में रैपिड खिताब जीतकर रचा इतिहास

ज़ाग्रेब (एजेंसी)। क्रोएशिया के शहर ज़ाग्रेब में चल रहे सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट में भारत के 19 वर्षीय विश्व शतरंज चैम्पियन डी. गुकेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रैपिड खिताब जीत लिया। ग्रैंड चेस टूर 2025 का हिस्सा रहे इस टूर्नामेंट में गुकेश ने रैपिड प्रारूप में 18 में से 14 अंक हासिल किए। उनकी जीत ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह अब विश्व स्तर पर एक बेहद मजबूत और खतरनाक खिलाड़ी बन चुके हैं।

प्रतियोगिता की शुरुआत गुकेश के लिए आसान नहीं रही। पहले ही राउंड में उन्हें पोलैंड के जान-क्ज़ीश्टॉफ़ डूडा से हार झेलनी पड़ी। लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लगातार पांच मुकाबले जीत लिए। इनमें सबसे अहम जीत विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ चौथे राउंड में आई। इस जीत ने उन्हें टूर्नामेंट की बढ़त दिलाई और बाकी खिलाड़ियों पर दबाव बना दिया। फाइनल राउंड में गुकेश ने अमेरिका के अनुभवी खिलाड़ी वेस्ली सो को 36 चालों में हराकर खिताब पर निर्णायक मुहर लगा दी। इस मुकाबले में उन्होंने विरोधी की एक मामूली गलती को बेहद कुशलता से भुनाया। उनका रैपिड रिकॉर्ड 6 जीत, 2 ड्रॉ और 1 हार रहा, जो उनकी लगातार स्थिरता और रणनीतिक गहराई का प्रमाण है। तीसरे दिन के खेल में भी गुकेश ने अपना संयम और तैयारी दिखाई।

डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी के खिलाफ उनका मुकाबला ड्रॉ रहा, जबकि क्रोएशिया के इवान शारिक के खिलाफ उन्होंने 87 चालों का लंबा मैच खेला। इसमें उन्होंने मार्शल गैम्बिट का इस्तेमाल किया और यह भी ड्रॉ पर समाप्त हुआ, लेकिन इससे उनकी लड़ाकू मानसिकता और जीत के जज्बे की झलक साफ दिखी। टूर्नामेंट में मैग्नस कार्लसन ने अंतिम दिन फैबियानो कारुआना के खिलाफ जीत दर्ज की, लेकिन नोडिरबेक अब्दुसत्तारोव से ड्रॉ खेलने के चलते वह गुकेश को चुनौती नहीं दे पाए। वहीं, डूडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। भारत के एक और युवा खिलाड़ी आर. प्रग्गनानंद का प्रदर्शन अपेक्षाकृत धीमा रहा। उन्होंने 9 मैचों में एक जीत और 7 ड्रॉ खेले और कुल 9 अंक बनाए। हालांकि ज़ाग्रेब में उनका प्रदर्शन कमजोर रहा, लेकिन ग्रैंड चेस टूर के अन्य चरणों में शानदार नतीजों के कारण वह समग्र रैंकिंग में मजबूत दावेदार बने हुए हैं। अब इस टूर्नामेंट का ब्लिट्ज चरण शनिवार से शुरू होगा और 6 जुलाई को समाप्त होगा, जिसके बाद रैपिड और ब्लिट्ज दोनों के संयुक्त अंकों से कुल विजेता का फैसला होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बच्चों की ग्रोथ जानने के लिए कराएं ये 5 जरूरी टेस्ट, हर पेरेंट्स को होनी चाहिए इसकी जानकारी

बचपन में सही पोषण और हेल्दी लाइफस्टाइल बच्चे के संपूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है। यह न सिर्फ उसकी हाइट, हड्डियों की मजबूती बल्कि दिमागी विकास में भी मदद करता है। हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा लंबा, तंदुरुस्त और तेज़ दिमाग वाला हो। इसलिए वे बच्चों के खानपान का खास ध्यान रखते हैं।

हर माता-पिता की यह चाहत होती है कि उनका बच्चा सेहतमंद, तंदुरुस्त और अपनी उम्र के हिसाब से अच्छे से विकास करे। बच्चे का कद, वजन, मानसिक विकास और शारीरिक क्षमता सही दिशा में बढ़ रही है या नहीं, यह जानना बहुत जरूरी होता है। केवल बाहरी लक्षणों को देखकर अंदाजा लगाना हमेशा सही नहीं होता। कई बार बच्चों की ग्रोथ धीमी हो रही होती है लेकिन मां-बाप को इसका पता देर से चलता है। ऐसे में समय-समय पर कुछ ज़रूरी मेडिकल टेस्ट करवा लेना बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। डॉक्टर भी सलाह देते हैं कि बच्चों की सही ग्रोथ जानने और किसी परेशानी की पहचान करने के लिए कुछ बेसिक हेल्थ टेस्ट ज़रूर करवाए जाने चाहिए। ये टेस्ट पोषण, ग्रोथ हार्मोन और शरीर के बाकी ज़रूरी फंक्शन को समझने में मदद करते हैं।

ग्रोथ हार्मोन लेवल टेस्ट

यह टेस्ट यह पता लगाने के लिए किया जाता है कि बच्चे के शरीर में ग्रोथ हार्मोन सही मात्रा में नहीं। अगर ग्रोथ हार्मोन की कमी हो जाए, तो बच्चे की हाइट रुक सकती है और ओवरऑल ग्रोथ भी धीमी हो सकती है। इस टेस्ट से यह भी जाना जा सकता है कि बच्चा अक्सर थका-थका क्यों रहता है, मांसपेशियां कमजोर क्यों हैं और कद क्यों नहीं बढ़ रहा। अगर कोई दिक्कत मिले, तो सही समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है।

थायरॉइड फंक्शन टेस्ट

थायरॉइड हार्मोन शरीर के विकास और दिमाग की ग्रोथ में बहुत अहम रोल निभाता है। अगर थायरॉइड में गड़बड़ी हो जाए, तो बच्चे की ग्रोथ रुक सकती है, वजन अचानक बढ़ या घट सकता है और बच्चा सुस्त पड़ सकता है। इस टेस्ट से यह भी पता लगाया जा सकता है कि बच्चा पढ़ाई में ध्यान क्यों नहीं दे पा रहा या हर समय थका-थका क्यों लगता है।

विटामिन डी और कैल्शियम लेवल टेस्ट

बच्चों की हड्डियों की मजबूती के लिए विटामिन डी और कैल्शियम बहुत जरूरी हैं। अगर इनकी कमी हो जाए, तो बच्चे की हड्डियां कमजोर हो सकती हैं, चलने में देरी हो सकती है और बार-बार मांसपेशियों में खिंचाव या दर्द की शिकायत हो सकती है। इस टेस्ट से हड्डियों की हेल्थ का अंदाजा लगता है और जरूरत पड़ने पर सप्लीमेंट या डाइट में बदलाव किया जा सकता है।

हीमोग्लोबिन और आयरन लेवल टेस्ट

हीमोग्लोबिन और आयरन की कमी बच्चों में थकान, चिड़चिड़ापन और विकास में रुकावट का कारण बन सकती है। अगर बच्चा बार-बार बीमार पड़ता है, खाना नहीं खाता या ध्यान नहीं लगाता, तो यह टेस्ट जरूर करवाएं। यह टेस्ट पोषण स्तर और एनीमिया जैसी दिक्कतों की पहचान करता है ताकि सही इलाज शुरू हो सके।

ब्लड शुगर और मेटाबॉलिज्म प्रोफाइल

यह टेस्ट यह बताता है कि बच्चे का शरीर खाने को कैसे पचा रहा है और ऊर्जा में कैसे बदल रहा है। अगर बच्चा मोटा हो रहा है, बार-बार प्यास लग रही है, कमजोरी महसूस कर रहा है या अचानक वजन बढ़ या घट रहा है, तो यह टेस्ट करवाना जरूरी है। इससे डायबिटीज या मेटाबॉलिज्म से जुड़ी समस्याओं का भी पता चलता है। समय रहते डॉक्टर की सलाह लेकर ये टेस्ट करवा लेने से किसी भी बड़ी परेशानी से बचा जा सकता है और बच्चे को सेहतमंद भविष्य दिया जा सकता है।

किसी से भी मिलने में शर्माता है बच्चा, ऐसी टिप्स जो झिझक को करेगी दूर

सोशल स्किल्स यानी सामाजिक कौशल हर इंसान के लिए बहुत ज़रूरी होते हैं। जो लोग बिना झिझक के किसी से भी बात कर लेते हैं उन्हें न सिर्फ उनकी पर्सनल लाइफ में बल्कि प्रोफेशनल लाइफ में भी बहुत फायदा होता है। ऐसे लोग ज़िंदगी की दौड़ में अक्सर आगे रहते हैं और कई बार लीडिंग रोल भी निभाते हैं।

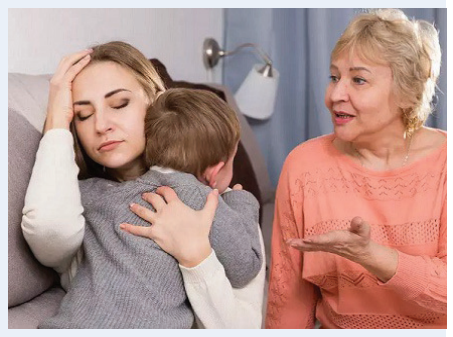

सोशल स्किल्स का विकास बचपन से होता है

लोगों में ये सोशल स्किल्स बचपन से ही विकसित होने लगती हैं। सभी माता-पिता यही चाहते हैं कि उनका बच्चा स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करे। वे चाहते हैं कि उनका बच्चा मॉनीटर बने, क्लास रिप्रेजेंटेटिव बने, हेड बॉय या हेड गर्ल बने और जब वो स्कूल से बाहर आए तो काम की जगह भी लीडिंग रोल निभाए।

झिझकने वाले बच्चों के लिए पेरेंट्स की चिंता

लेकिन कई बच्चे दूसरों से बात करने में शर्माते हैं, वे झिझकते हैं। ऐसे बच्चों को लेकर माता-पिता बहुत चिंतित हो जाते हैं। उन्हें डर होता है कि कहीं उनके बच्चे का भविष्य खतरे में तो नहीं है। पेरेंट एजुकेटर अर्पिता अक्षय पिथावा कहती हैं कि ऐसे शर्माने वाले बच्चों को सही तरीके से समझाया जाए तो उनकी झिझक दूर हो सकती है। इससे बच्चों की सोशल स्किल्स में सुधार होता है और वे ज्यादा आत्मविश्वासी बनते हैं।

बच्चे की सोशल स्किल्स कैसे सुधारें

इंट्रोवर्ट होना बुरा नहीं है: पेरेंट्स को यह समझना बहुत ज़रूरी है कि इंट्रोवर्ट होना बुरा नहीं होता। अगर बच्चे के सामने बार-बार ये कहा जाए कि वह बहुत शर्माता है या किसी से बात नहीं करता, तो इससे बच्चे का कॉन्फिडेंस कम हो जाता है। इसलिए पेरेंट्स को बच्चे के सामने इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिए।

अपनी कहानियां बच्चे से शेयर करें: अपने बचपन की या अपनी ऑकवर्ड कहानियों को बच्चे के साथ शेयर करें। उसे बताएं कि जब आप पहली बार ऑफिस गए थे तो आपका दिन कैसा गुजरा था। इससे बच्चे के दिमाग में यह बात बनती है कि पहले और अब के समय में आपके भीतर कितना बदलाव आया है। इस तरह बच्चे खुद भी प्रेरित होते हैं।

गेस्ट आने से पहले बच्चे को तैयार करें: अगर घर में कोई मेहमान आने वाला है या आप कहीं जाने वाले हैं, तो बच्चे को पहले से तैयार करें। उसे समझाएं कि जब मेहमान आए तो उन्हें कैसे नमस्ते या हाय-हैलो कहना है। इंट्रोवर्ट बच्चे अचानक से यह नहीं समझ पाते कि दूसरों के सामने कैसे व्यवहार करना चाहिए। इसलिए बच्चे को पहले से प्रिपेयर करना बहुत जरूरी होता है।

रोल प्ले खेलें: रोल प्ले एक बहुत अच्छा तरीका है बच्चों की सोशल स्किल्स बढ़ाने का। आप बच्चे के साथ रोल प्ले खेल सकते हैं, जिसमें आप टीचर बनें और बच्चा स्टूडेंट। इस तरह बच्चा बातचीत करना और खुद को व्यक्त करना सीखता है। इससे उसके कॉन्फिडेंस में भी वृद्धि होती है।

हमउम्र बच्चों के साथ खेलना: अपने बच्चे के उम्र के दूसरे बच्चों को घर बुलाएं। हमउम्र बच्चों के साथ खेलना और बातचीत करना बच्चे के लिए घुलने-मिलने को आसान बनाता है। इससे बच्चे की कम्युनिकेशन स्किल्स भी बेहतर होती हैं और वह दूसरों के साथ सहज महसूस करता है।

अगर माता-पिता इन तरीकों को अपनाएं तो बच्चों में सोशल स्किल्स का विकास होता है और उनकी झिझक भी दूर होती है। इससे बच्चे स्कूल और जीवन दोनों में आगे बढ़ सकते हैं।

बरसात में बच्चों की यूं करें देखभाल, तो वे नहीं पड़ेंगे बार-बार बीमार

मानसून में मच्छरों और संक्रमण पैदा करने वाले कीटाणुओं का खतरा बढ़ जाता है जो निस्संदेह आपके बच्चों के लिए हानिकारक होते हैं। ऐसे मामलों से बचने के लिए माता-पिता को अपने शिशुओं का ध्यान रखने के लिए एक्स्ट्रा एफर्ट करने की जरूरत होती है। इस आर्टिकल में हम कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में जानेंगे जिनसे बच्चे को बीमार पड़ने से बचाया जा सके ।

माता-पिता बारिश के मौसम में अपने बच्चों को ऐसे रखें ख्याल

मानसून बहुत जल्द दस्तक देने जा रहा है, जो धीरे-धीरे गर्मी का प्रचंड रूप शांत करके लोगों को राहत दिलाएगा। वहीं, गर्मी से बेहाल लोग भी बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, यह मौसम दूसरों के लिए जितना सुकून लेकर आएगा, नए माता-पिता के लिए उतनी ही परेशानियां क्योंकि मानसून का महीना केवल बारिश ही नहीं बल्कि बीमारी के लिए भी मशहूर है। ऐसे में नए पेरेंट्स अपने बच्चे का ख्याल कैसे रखें यह सबसे बड़ा सवाल है। इस आर्टिकल में हम इसी के बारे में जानने की कोशिश करेंगे कि मानसून के दौरान छोटे बच्चों को बीमारियों से कैसे बचाकर रखें।

मानसून में बच्चों को बीमारी से कैसे बचाएं?

बारिश के मौसम में पानी से होने वाले संक्रमण का खतरा काफी बढ़ जाता है, ऐसे में बच्चों के बीमार पड़ने की संभावना भी अधिक रहती है। इसलिए पहली बार माता-पिता बने कपल को अपने बच्चे को मानसून में स्वस्थ्य रखने के लिए अधिक सावधानी बरतने की जरूरत होती है। इसके लिए आदतों में कुछ बदलाव और थोड़ी सावधानी आपका काम काफी आसान कर सकती है।

बारिश से बचाएं

कोशिश करें कि अपने बच्चे को बारिश में भीगने से बचाएं। इसके लिए छाते, रेनकोट और रेन बूट जैसी आजमाई हुई चीजें आपके काम आ सकती हैं। बच्चों को बाहर ले जाने से पहले ध्यान दें कि उनके पास सभी आवश्यक चीजें हैं। बरसात के मौसम के दौरान, तापमान में भी तेजी से गर्माहट और ठंडक का अनुभव होता है। वहीं नमी से बचने के लिए बच्चों को आरामदायक सूती कपड़े पहनाएं, लेकिन जब मौसम ठंडा हो जाए, तो उन्हें थोड़े मोटे कपड़े पहनाएं। ध्यान रखें कि बच्चे के कपड़े पूरी तरह सूखे हों क्योंकि बरसात के मौसम में कपड़े नमी सोख लेते हैं, जिससे फंगल इंफेक्शन हो सकता है।

डायपर गीला न रहे

बरसात के मौसम में बच्चे को एक मिनट के लिए भी गीला डायपर न पहनने दें। सर्द या बरसात के दिनों में बच्चे अन्य मौसमों की तुलना में अधिक पेशाब करते हैं, जिससे उनकी स्किन पर रैशेज हो सकते हैं। इसके अलावा इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है और उन्हें ठंड भी लग सकती है। इसलिए, याद रखें कि जैसे ही आपको लगे कि आपके बच्चे की नैपी गीली या गंदी हो गई है, तो उसे तुरंत बदल दें।

बीमारियों को नजरअंदाज न करें

बुखार, शारीरिक दर्द, छींक आना और अन्य लक्षण मानसून से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं। इसके अलावा इस मौसम में वायरल इंफेक्शन होने का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे कोई भी लक्षण नजर आने पर सीधे अपने डॉक्टर से संपर्क करें और बीमारी से लड़ने के लिए उचित सावधानी बरतें, भले ही यह शुरुआती दौर में ही क्यों न हों।

मच्छरों को दूर रखें

मच्छर के काटने से नवजात शिशु को गंभीर परेशानियां हो सकती हैं, जिससे उनके शरीर पर रेडनेस और सूजन भी हो सकती है। ऐसे में बच्चे के मच्छरदानी में रखें, जिससे वे अच्छी और भरपूर नींद सो सकें। वहीं शाम के वक्त उन्हें पूरी तरह से ढके हुए कपड़े पहनाएं। अगर आपके पास मच्छरों को भगाने के लिए कोई नेचुरल रेमेडी है, तो उसका भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

मानसून सीजन में बच्चे को कब नहलाएं?

बड़ों की तरह बच्चों को रोजाना नहाने की आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि वे अपना अधिकांश समय घर के अंदर ही बिताते हैं। ऐसे में मानसून सीजन में बच्चे को हफ्ते में दो से तीन बार नहलाना काफी होगा। खासकर उमस भरे मौसम में, गर्मी से राहत दिलाने के लिए यह काफी होगा। लेकिन अगर आप बच्चे को बाहर लेकर गए हैं, तो उसे गुनगुने पानी से नहलाएं। बचपन की अधिकांश यादें बारिश में खेलने और कागज की नाव चलाने से बनती है। इसलिए उनकी यादों को बनने से रोकना नहीं है बल्कि सही देखभाल के जरिए उन्हें बरसात के मौसम का अधिकतम लाभ उठाने देना है।

आसमान की रानी फिलीपाइन ईगल

तेजी से लुप्त होते पक्षियों की श्रेणी में आती है फिलीपाइन ईगल। यह चील प्रजाति की ही है, पर दूसरी चीलों से अधिक बड़ी और ताकतवर होती है। यह मुख्य तौर से फिलीपींस में पाईजाती है। पशुओं का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिक कहते हैं कि जिस तरह जंगल का राजा शेर होता है, उसी तरह फिलीपाइन ईगल आसमान कीरानी है। इसे 4 जुलाई 1995 को फिलीपींस की नेशनल बर्ड घोषित किया गया था।

क्या सच में दूध पीने से बढ़ती है बच्चों की हाइट?

बचपन में सही पोषण और हेल्दी लाइफस्टाइल बच्चे के संपूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है। यह न सिर्फ उसकी हाइट, हड्डियों की मजबूती बल्कि दिमागी विकास में भी मदद करता है। हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा लंबा, तंदुरुस्त और तेज़ दिमाग वाला हो। इसलिए वे बच्चों के खानपान का खास ध्यान रखते हैं।

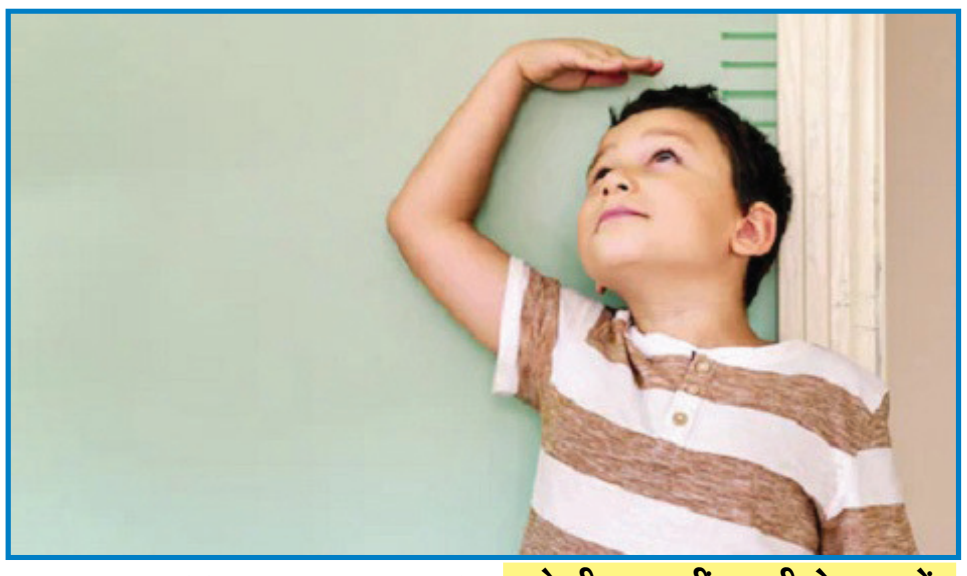

क्या दूध पीने से बच्चों की हाइट बढ़ती है?

दूध को पारंपरिक रूप से संपूर्ण आहार माना जाता है। इसमें मौजूद कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन्स बच्चों की हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत करते हैं। अक्सर हम सुनते हैं कि दूध पीने से लंबाई बढ़ती है। डॉक्टरों का कहना है कि दूध सीधे तौर पर लंबाई नहीं बढ़ाता लेकिन यह उन पोषक तत्वों की पूर्ति करता है जो हाइट ग्रोथ में मदद करते हैं। यानी अगर दूध को बैलेंस डाइट और एक्टिव लाइफस्टाइल के साथ लिया जाए तो यह हाइट बढ़ाने में मददगार हो सकता है।

हाइट किन बातों पर निर्भर करती है?

अनुवांशिकता : माता-पिता की हाइट का सीधा असर बच्चों पर पड़ता है। अगर माता-पिता लंबे हैं तो बच्चों के लंबे होने की संभावना ज्यादा होती है।

पोषण : सही और संतुलित पोषण से हड्डियों और मांसपेशियों का विकास सही ढंग से होता है। बच्चों की डाइट में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और जरूरी विटामिन्स होना चाहिए।

फिजिकल एक्टिविटी: योग, स्ट्रेचिंग, स्विमिंग और आउटडोर खेल बच्चों की हड्डियों को मजबूत बनाते हैं। माता-पिता बच्चों के साथ समय बिताएं और उन्हें एक्टिव रखें।

नींद: गहरी नींद के दौरान ग्रोथ हार्मोन रिलीज होते हैं। बच्चों को हर दिन 8-10 घंटे की नींद जरूर देनी चाहिए।

दूध पीने का सही समय और तरीका

दूध सुबह या रात को सोने से पहले देना सबसे अच्छा माना जाता है। दूध में ज्यादा मीठा या चॉकलेट पाउडर न मिलाएं। इससे पोषण कम हो सकता है। दूध को हल्का गर्म करके देना बेहतर है ताकि वह जल्दी पच सके। अगर बच्चा दूध नहीं पीता या उसे लैक्टोज इन्टॉलरेंस है तो आप फोर्टिफाइड सोया मिल्क, बादाम मिल्क या ओट मिल्क दे सकते हैं।

बच्चे की हाइट नहीं बढ़ रही तो क्या करें?

बच्चे की डाइट में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन ष शामिल करें। दूध, अंडा, दालें, हरी सब्जियां, फल और नट्स रोजाना खिलाएं। बच्चे को रोज खेल-कूद, योग और एक्सरसाइज के लिए प्रोत्साहित करें। पर्याप्त नींद (8-10 घंटे) दिलाना जरूरी है। इसके बावजूद हाइट नहीं बढ़ रही है तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

क्या खिलाने से बच्चों की हाइट बढ़ सकती है?

बच्चों को प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, विटामिन डी और जिंक युक्त आहार देना चाहिए। दूध, दही, अंडा, हरी सब्जियां, दालें, अंकुरित अनाज और फल इनकी डाइट का हिस्सा हों। जंक फूड और सॉफ्ट ड्रिंक्स से बचाव जरूरी है।

क्या लटकने से लंबाई बढ़ती है?

हां, लटकने से रीढ़ की हड्डी पर खिंचाव आता है जिससे लंबाई बढ़ाने में थोड़ी मदद मिलती है। यह एक्सरसाइज पोश्चर सुधारने और मांसपेशियों को मजबूत करने में भी मदद करती है। लेकिन सिर्फ लटकने से लंबाई नहीं बढ़ती, इसके साथ अच्छी डाइट, पर्याप्त नींद और अन्य एक्सरसाइज जरूरी हैं।

दूध बच्चों के विकास में सहायक जरूर है, लेकिन यह अकेले लंबाई नहीं बढ़ा सकता। इसके लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, अच्छी नींद और स्वस्थ जीवनशैली जरूरी है। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों को संपूर्ण पोषण दें और उनके मानसिक व शारीरिक विकास पर ध्यान दें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आखिरकार अब कबाड़ बन ब्रिटेन लौटेगा एफ-35बी फाइटर जेट, अमेरिका की हो रही किरकिरी

14 जून से तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खड़ा

नई दिल्ली।

ब्रिटिश रॉयल नेवी का अत्याधुनिक एफ-35बी फाइटर जेट अब कबाड़ के रूप में स्वदेश लौटेगा। यह जेट 14 जून को केरल के तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग के बाद से फंसा हुआ था।

दरअसल मरम्मत के तमाम प्रयास असफल होने के बाद अब एफ-35बी फाइटर जेट टुकड़ों में ब्रिटेन वापस जाएगा। इस जेट को सी-17 ग्लोबमास्टर जैसे विशाल सैन्य परिवहन विमान में लोड करके वापस भेजने की योजना तैयार की गई है।

बात दें कि 40 सदस्यीय ब्रिटिश इंजीनियरिंग टीम विशेष उपकरणों के साथ जेट को ठीक करने में विफल रही।

यह पहली बार है जब ब्रिटेन का एफ-35 बी जेट किसी विदेशी धरती पर इतने लंबे समय तक फंसा रहा। एफ-35बी पांचवीं पीढ़ी का दुनिया का सबसे उन्नत विमान है और इसकी कीमत 11 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 900 करोड़ रुपये) से अधिक है। 14 जून को जेट खराब मौसम और कम ईंधन के कारण अपने कैरियर शिप पर वापस नहीं लौट पाया। पायलट ने आपातकालीन ट्रांसपॉन्डर कोड सक्रिय किया, जिसके बाद भारतीय वायु सेना के एकीकृत वायु कमान और नियंत्रण प्रणाली ने जेट को तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग करने को कह दियसा।

जेट में तकनीकी खराबी थी, संभवतः हाइड्रोलिक सिस्टम में दिक्कत थी।

डिस्मेंटलिंग के दौरान डेटा लीक या तकनीकी चोरी का जोखिम बना रहता है, जिसके कारण ब्रिटिश नेवी ने जेट को हैंगर में ले जाने की पेशकश को पहले अस्वीकार कर दिया था। सी-17 ग्लोबमास्टर का कार्गो होल्ड 26 मीटर लंबा और 4 मीटर चौड़ा है, जिसके कारण जेट के पंखों को हटाना जरूरी होगा ताकि इस परिवहन विमान में फिट किया जा सके। वहीं इस पूरे प्रकरण में अमेरिका की खूब किरकिरी हो रही है। क्योंकि इस जेट को अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने बनाया है। जिस पर अमेरिका सरकार बहुत गुमान करती है।

भारत का सहयोग

भारतीय वायुसेना ने जेट की सुरक्षित लैंडिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लैंडिंग के बाद भारतीय अधिकारियों ने रिफ्यूलिंग और लॉजिस्टिक सहायता दी। जेट को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की सशस्त्र इकाई चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रदान कर रही है। एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स से छह सदस्यीय टीम जेट की निगरानी के लिए तैनात हैं।

भारतीय वायु सेना ने जेट को अपने रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल केंद्र में स्थानांतरित करने की पेशकश की थी, लेकिन ब्रिटिश नेवी ने शुरू में अस्वीकार कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

राजनाथ, डोभाल के बाद अब जयशंकर जा रहे चीन की तीन दिवसीय यात्रा पर

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर 13 जुलाई से चीन के तीन दिवसीय दौरे पर जा रहे है। इस दौरान वे द्विपक्षीय और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठकों में भाग लेने वाले है। यह दौरा तब हो रहा है जब भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में गश्त के अधिकारों पर सहमति के बाद संबंधों को सामान्य करने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में इस मुद्दे पर सहमति बनी थी, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान कजान में हुई थी। जयशंकर का यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह गलवान झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों को पटरी पर लाने की कोशिश का हिस्सा है। उम्मीद है कि इस दौरे से भारत और चीन के रिश्तों में सुधार आएगा। बात दें कि जयशंकर तियानजिन में एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने वाले है। यह बैठक 1 सितंबर को होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन से पहले हो रही है, जिसके लिए चीन ने प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया है। जयशंकर बीजिंग में चीन के कई नेताओं से मुलाकात करने और आपसी सहयोग पर बातचीत करने वाले है। इस दौरे का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को सामान्य करना है। इसके तहत कैलाश मानसरोवर यात्रा पांच साल के बाद फिर से शुरू हो गई है, और दोनों देश सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने पर भी बातचीत कर रहे हैं। दरअसल जयशंकर के दौरे के बाद, चीनी विदेश मंत्री वांग यी भी इसी महीने भारत आ सकते हैं। वे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ सीमा वार्ता कर सकते है। डोभाल इससे पहले दिसंबर 2024 में और पिछले महीने एससीओ एनएसए की बैठक में भाग लेने के लिए चीन जा चुके हैं। विदेश सचिव विक्रम मिसरी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी हाल ही में चीन का दौरा कर चुके हैं।

मैंने मंडी में बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाना चाहा पर जयराम ने रोक दिया- कंगना

मंडी। हिमाचल प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने बीजेपी सांसद कंगना रनौत के बयान को लेकर राज्य में विपक्षी दल पर कटाक्ष किया कि उन्होंने मंडी में बादल फटने की घटनाओं से प्रभावित इलाकों का दौरा बीजेपी नेता जयराम ठाकुर की ÷सलाह÷ पर नहीं किया। कांग्रेस ने कहा कि कंगना के इस बयान से हिमाचल प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ठाकुर नाराज हैं। हिमाचल में मौसम संबंधी घटनाओं के कारण 43 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 14 की मौत बादल फटने, 8 की बाढ़, एक की भूस्खलन से और 7 की मौत बाढ़ के पानी में बह जाने से हुई है। सबसे ज्यादा लोगों की मौत मंडी में हुई है। बता दें कंगना रनौत ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट में कहा था कि हिमाचल प्रदेश में करीब हर साल बाढ़ के कारण होने वाली तबाही को देखना दिल दहलाने वाला है। मैंने सेराज और मंडी में बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाना चाहा, लेकिन नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुझे सलाह दी कि प्रभावित इलाकों में संपर्क बहाल होने तक इंतजार करें। उन्होंने पोस्ट में कहा कि मैं हिमाचल प्रदेश जा रही हूं। जल्द ही प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करूंगी। मैं हर परिस्थिति में हिमाचल प्रदेश के साथ खड़ी हूं। इससे एक दिन पहले राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ठाकुर ने आपदा प्रभावित क्षेत्र में कंगना रनौत की अनुपस्थिति के बारे में पूछे गए सवालों को टालने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा था कि हमें स्थानीय लोगों की चिंता है और हम उनके लिए जीते-मरते हैं। जो चिंतित नहीं हैं, उनके बारे में हम टिप्पणी नहीं कर सकते। इस टिप्पणी पर चुटकी लेते हुए सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को कंगना को ठाकुर से बात करने की सलाह दी और कहा कि ठाकुर ''गुस्सा हो रहे हैं।

ब्रांडेड कपड़ों में लोगो हमेशा लेफ्ट साइड में क्यों.....जानिए इसका दिलचस्प कारण

नई दिल्ली। फैशन की दुनिया बहुत बड़ी है। यहां आपको रोज कुछ न कुछ नया जरूर देखने को मिल सकता है। फैशन का मतलब सिर्फ मेकअप से नहीं है, बल्कि एके अच्छे कपड़े भी फैशन की कैटेगरी में ही आता है। आज के समय में हर किसी को हर महीने नई-नई ड्रेसेज चाहिए ही होती हैं। खासकर महिलाओं और लड़कियों को कपड़ों का बहुत शौक होता है। ज्यादातर लोग ब्रांडेड कपड़े ही पहनना पसंद करते हैं। लेकिन जब भी आप कोई ब्रांडेड शर्ट, टी-शर्ट या जैकेट खरीदती हैं, तब आपने नोटिस किया होगा कि ज्यादातर कपड़ों में लोगो यानी उस ब्रांड का निशान या नाम लेफ्ट साइड में ही लगा होता है। क्या कभी आपने सोचा है कि ऐसा क्यों होता है? क्या ये बस एक स्टाइलिंग का हिस्सा है या इसके पीछे कोई खास वजह है? इसके बारे में जानने के लिए एक मशहूर ब्रांड की फैशन डिजाइनर से बात की। फैशन डिजाइनर ने बताया कि लोगो को लेफ्ट साइड में इसलिए लगाया जाता है क्योंकि इधर ही हमारा दिल भी होता है। जब किसी ब्रांड का लोगो वहां लगा होता है, तब वहां उस व्यक्ति के दिल के करीब हो जाता है। इसतहर ग्राहक और ब्रांड के बीच एक इमोशनल कनेक्शन बन जाता है।

नमो भारत ट्रेन में छूट गया कीमती सामान, अब मिलना हुआ आसान

एनसीआरटीसी ने शुरु की लॉस्ट एंड फाउंड सेंटर की शुरुआत

नई दिल्ली।

दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रैपिड रेल कॉरिडोर पर चल रही सुपरफास्ट नमो भारत ट्रेन में अब कोई यात्री कीमती सामान भूल जाए तो उसे वापस पाना आसान हो गया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाजियाबाद स्टेशन पर एक लॉस्ट एंड फाउंड सेंटर चालू किया है। यह सेंटर अब तक 160 से ज्यादा कीमती वस्तुएं उनके असली मालिकों तक पहुंचा चुका है। इस सुविधा के चलते स्टेशन या ट्रेन में मिला कोई भी सामान सुरक्षित रखा जाता है और उचित पहचान और प्रक्रिया के बाद यात्रियों को सौंपा दिया जाता है। एनसीआरटीसी का यह प्रयास यात्रा को भरोसेमंद और सुविधाजनक बना रहा है। अब तक लॉस्ट एंड फाउंड सेंटर ने लैपटॉप, मोबाइल फोन, घड़ियां, जरूरी दस्तावेज, मेडिकल रिपोर्ट, पर्स, ट्रॉली बैग, ईयरबड्स, आईपैड, वाहन की चाबियां, किताबें और यहां तक कि कपड़े भी यात्रियों को लौटाए गए हैं। इसका मतलब यह कि अगर आपने कुछ भी कीमती सामान ट्रेन में छोड़ दिया है, तो अब उसे वापस पाने की पूरी संभावना है। बता दें हर नमो भारत ट्रेन में नियुक्त ट्रेन अटेंडेंट ट्रेन में निगरानी रखते हैं। अगर उन्हें कोई सामान लावारिस मिलता है, तो वह उसे फौरन लॉस्ट एंड फाउंड सेंटर भेज देते हैं। इन अटेंडेंट्स की सजगता और तत्परता की वजह से ही इतनी जल्दी और सुरक्षित तरीके से यात्रियों को उनका सामान वापस मिल रहा है।

भारतीय नौसेना की पहली महिला फाइटर पायलट बनी सब-लेफ्टिनेंट आस्था पूनिया

बागपत।

भारतीय नौसेना के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में आस्था पुनिया का नाम दर्ज हो गया है।

क्योंकि उसी में बल को सब-लेफ्टिनेंट आस्था पूनिया के रूप में अपनी पहली महिला फाइटर पायलट मिल गई हैं। वह रूसी मूल के नौसेना के मिग-29 के जैसे उन्नत लड़ाकू विमान को उड़ाएंगी।

जिससे सीमा पार बैठे दुश्मन भारत के खिलाफ किसी तरह की कोई गुस्ताखी करने की हिमाकत नहीं करेंगे। नौसेना प्रवक्ता कैप्टन विवेक मधवाल ने बताया कि सब-लेफ्टिनेंट आस्था पूनिया ने विशाखापट्टनम स्थित नौसेना के आईएनएस डेगा अड्डे पर द्वितीय बेसिक हॉक कन्वर्जन कोर्स के तहत अपना प्रशिक्षण (हॉक-132 प्रशिक्षण विमान) पूरा किया है। उन्हें असिस्टेंट चीफ ऑफ नेवल स्टॉफ (एयर) रियर एडमिरल जनक बेवली ने प्रतिष्ठित विंग्स ऑफ गोल्ड प्रदान किए हैं। कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट अतुल कुमार ढुल को भी यह सम्मान प्राप्त हुआ है।

बता दें कि नौसेना ने वर्ष 2022 में अपनी पनडुब्बी सहित अन्य जंगी शाखाओं को महिलाओं के लिए भी खोल दिया था। जिसके बाद अब कई महिलाएं युद्धपोतों और अन्य युद्धक इकाइयों में मजबूती के साथ अपनी सेवाएं दे रही हैं।

नौसेना से पहले वायुसेना में महिलाएं लड़ाकू विमान पायलट के रूप में भर्ती की गई थीं। सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं की कुल अनुमानित संख्या 11 हजार है। मूलरूप से आस्था पूनिया उत्तर प्रदेश के बागपत की रहने वाली हैं। उनकी इस कामयाबी को उनके गांव में भी खुशी का माहौल है।

राहुल गांधी ने टैरिफ को लेकर केंद्र पर साधा निशाना- ट्रंप की समयसीमा के आगे झुकेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली।

अमेरिका के टैरिफ मामले और प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर देश की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने आसानी से झुक जाएंगे। दरअसल राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय पर आया है, जबकि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल शुक्रवार को ही दावा करते हुए कह चुके हैं कि भारत किसी भी व्यापार समझौते में समयसीमा का दबाव स्वीकार नहीं करेगा। गोयल ने कहा था, कि भारत तभी समझौता करेगा जब वह अंतिम रूप से तैयार हो, अच्छी तरह से संपन्न हो और राष्ट्रहित में हो। इस पर राहुल गांधी ने प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि पीयूष गोयल जितना चाहें अपनी छाती पीट सकते हैं, मेरे शब्दों पर गौर करें, ट्रंप की शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने मोदी आसानी से झुक जाएंगे।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से आयातित उत्पादों पर 2 अप्रैल को 26 प्रतिशत अतिरिक्त जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की थी, जिसे बाद में 90 दिनों के लिए (यानी 9 जुलाई तक) स्थगित कर दिया गया था। हालांकि अमेरिका द्वारा लगाया गया 10 प्रतिशत मूल शुल्क अब भी लागू है। इस समयसीमा से पहले भारत और अमेरिका के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तेजी से बातचीत जारी है। दोनों देशों के अधिकारी और मंत्री कई दौर की बातचीत कर चुके हैं। बावजूद इसके किसी तरह की बात नहीं बनती दिखी है, जिसके बाद सभी की निगाहें 09 जुलाई पर टिक गई हैं। विशेषज्ञों की राय है, कि भारत के लिए यह एक नाजुक मोड़ है जहाँ संतुलन साधना बेहद जरूरी है, राष्ट्रहित भी सुरक्षित रहे और वैश्विक साझेदारियों में मजबूती भी बनी रहे।

पोर्ट ऑफ स्पेन क्यों पड़ा ये नाम, पीएम नरेंद्र मोदी अभी इसी शहर में

नई दिल्ली।

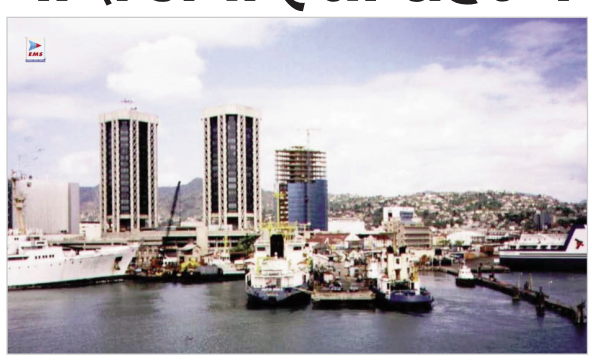

पोर्ट ऑफ स्पेन त्रिनिदाद एंड टोबैगो की राजधानी है और इसका भारत से एक गहरा नाता है, क्योंकि यहां के 40 प्रतिशत लोग भारतीय मूल के हैं। अभी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी शहर में हैं। आपकों इस शहर का नाम पोर्ट ऑफ स्पेन सुनकर अजीब लग सकता है, क्योंकि यह स्पेन से 6000 किलोमीटर से भी ज्यादा दूर बसा हुआ है। दरअसल, पोर्ट ऑफ स्पेन एक ऐसा शहर है, जिसका निर्माण अलग-अलग संस्कृतियों के मिले-जुले प्रभाव से हुआ है। इस शहर का नाम स्पैनिश भाषा से लिया गया है और इसका पुराना नाम प्यूर्टो डी लॉस एस्पानोलेस था। इसका मतलब होता है स्पैनियाड्र्स का पोर्ट या स्पैनिश पोर्ट यानी स्पेन के निवासियों की बस्ती। यह नाम यहां स्पैनिश बस्तियों के बसने की वजह से पड़ा था, क्योंकि किसी जमाने में यहां स्पेन का राज हुआ करता था। लेकिन 16वीं और 17वीं शताब्दी में स्पेन ने त्रिनिदाद और टोबैगो पर कब्जा कर लिया था। स्पैनिश लोगों के आने से पहले यहां अमेरिन्डियन जनजाति के लोग रहते थे, जिनकी बस्ती का नाम कुमुकुरापो था। 1797 में ब्रिटिश सेना ने त्रिनिदाद पर कब्जा किया था। इसके बाद ही शहर का नाम प्यूर्टो डी एस्पाना से पोर्ट ऑफ स्पेन बना, क्योंकि अंग्रेजों ने इसे इंग्लिश में पोर्ट ऑफ स्पेन कहना शुरू कर दिया। आज भी इस शहर को हम इसी नाम से जानते हैं।

भाजपा अध्यक्ष बनने की रेस में आधा दर्जन दिग्गज, इसमें 3 महिला, 3 पुरुष शामिल

नई दिल्ली।

देश के प्रदेशों में भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ती के बाद अब भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना है।दिलचस्प बात यह है कि इस बार चर्चा है कि पार्टी अपने इतिहास में पहली बार किसी महिला नेता को राष्ट्रीय अध्यक्ष बना सकती है। हालांकि, अब तक दावेदारों में 6 नेताओं के नाम सामने आ चुके हैं। उनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। मौजूदा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में समाप्त हो चुका था, लेकिन चुनावों को ध्यान में रखते हुए उनके कार्यकाल को जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। अब, भाजपा नए अध्यक्ष की नियुक्ति की तरफ आगे बढ़ रही है।

पुरुष दिग्गजों की बात करें तो ओडिशा से आने वाले केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को भाजपा का कुशल रणनीतिकार माना जाता है। वे ओबीसी समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं और पार्टी के आंतरिक हलकों में गहरी पैठ रखते हैं। उनके नेतृत्व में पार्टी ने कई चुनावी मोर्चों पर शानदार प्रदर्शन किया है। मामा के नाम से लोकप्रिय शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश के चार बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं और अब केंद्र में मंत्री हैं। वे भाजपा के सबसे लोकप्रिय जननेताओं में गिने जाते हैं। उनकी सहजता, सादगी और ग्रामीण भारत में पकड़ उन्हें पार्टी का एक जन-चेहरा बनाती है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर अब केंद्र सरकार का हिस्सा हैं। उनकी प्रशासनिक साख और संघ से निकटता उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उपयुक्त बनाती है। वे पार्टी के उस वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं जो अनुशासन और कार्यसंस्कृति पर विशेष बल देता है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा अगला अध्यक्ष चुनते समय तीन प्रमुख बिंदुओं को ध्यान में रख रही है। उनमें संगठनात्मक अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन और जातीय समीकरण। महिला नेतृत्व की संभावना इसलिए भी मजबूत मानी जा रही है क्योंकि भाजपा ने 2023 में महिला आरक्षण विधेयक को संसद में पास कराया था। इसके अलावा, हालिया चुनावों में महिला वोटर्स ने भाजपा को निर्णायक समर्थन दिया है। एक महिला अध्यक्ष पार्टी को सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर बड़ा संदेश देने में मदद कर सकती है।

अमेरिका को दो टूक: भारत कभी दबाव में काम नहीं करता, राष्ट्रीय हित होगा तभी करेंगे डील

नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा निर्धारित 9 जुलाई की समय सीमा को खारिज करते हुए कहा कि भारत व्यापार समझौतों पर कभी भी समय के दबाव में काम नहीं करता। गोयल ने कहा, भारत ने कभी भी किसी व्यापार समझौते या उसके किसी हिस्से पर समय की कोई बाध्यता या दबाव में चर्चा नहीं की है। हमें अपने राष्ट्रीय हितों का ध्यान रखना है और यह सुनिश्चित करना है कि यह एक निष्पक्ष समझौता हो, जिससे हमें अपने प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले सतत लाभ मिले। अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि भारत किसी भी डील में तभी शामिल होगा, जब उसके राष्ट्रीय हित पूरी तरह सुरक्षित होंगे और उसे प्रतिस्पर्धियों पर टैरिफ संबंधी बढ़त मिलेगी। मंत्री गोयल ने कहा कि सरकार किसी समयसीमा के दबाव में नहीं है और अमेरिका द्वारा 9 जुलाई की डेडलाइन तय करने का भारत पर कोई असर नहीं होगा। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने करीब 100 देशों पर जवाबी टैरिफ लगाए थे, जिनमें भारत पर भी 26 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया था। इसके बाद अमेरिका ने 90 दिनों के लिए इन टैरिफ पर रोक लगाई थी, जो अब मंगलवार को समाप्त हो रही है।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत और अमेरिका के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए गहन बातचीत चल रही है। भारतीय व्यापार वार्ताकारों की एक टीम हाल ही में वाशिंगटन से आठ दिन की यात्रा के बाद लौटी है, जहां उन्होंने अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ गहन चर्चा की। हालांकि, कृषि और ऑटोमोबाइल जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में कुछ मुद्दे अभी भी अनसुलझे हैं। गोयल ने साफ किया कि भारत अपने किसानों और डेयरी क्षेत्र के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि किसानों का हित हमेशा मोदी सरकार के लिए सर्वोपरि है।

भारत चाहता है श्रम-प्रधान क्षेत्रों में रियायतें

भारत की ओर से अमेरिका से मांग की जा रही है कि वह चमड़ा, जूते-चप्पल, वस्त्र और कुछ ऑटो पार्ट्स पर शुल्क में रियायत दे। इसके बदले भारत अमेरिकी ऑटोमोबाइल और व्हिस्की पर कुछ टैक्स में छूट देने पर विचार कर सकता है।

भारत यह भी चाहता है कि भविष्य में अगर अमेरिका सेक्टोरल टैरिफ लगाए, तो भारत को उनसे छूट मिले। कुछ सरकारी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका की मांगें अभी तक स्पष्ट नहीं हैं, वहीं भारत का फोकस पूरी तरह स्पष्ट है।

जहां ब्रिज, टनल, फ्लाईओवर या एलिवेटेड हाईवे वहां कम लगेगा टोल टैक्स

पुराने टोल प्लाजा पर यह नियम अगली टोल रिवीजन डेट से लागू होगा

नई दिल्ली।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने नेशनल हाईवे के उन हिस्सों पर टोल फीस 50 फीसदी तक घटा दी है, जहां ब्रिज, टनल, फ्लाईओवर या एलिवेटेड हाईवे बने हैं। यह फैसला कमर्शियल गाड़ियों के मालिकों के लिए राहत देगा, क्योंकि पहले इन स्ट्रक्चर वाले हिस्सों पर टोल सामान्य रोड की तुलना में 10 गुना ज्यादा था। अब सरकार ने नया फॉर्मूला बनाया है जिससे टोल की गणना ज्यादा व्यावहारिक और सस्ती होगी।

अगर हाईवे का 40 किमी का हिस्सा है, जिसमें 30 किमी स्ट्रक्चर और 10 किमी सामान्य रोड है, तो टोल की गणना 10×30+10=310 किमी या 5×40=200 किमी में से कम यानी 200 किमी के आधार पर होगी। इससे टोल का खर्च कम हो जाएगा। कमर्शियल वाहनों को सबसे ज्यादा राहत मिलेगी क्योंकि उनका टोल चार्ज प्राइवेट गाड़ियों से 4-5 गुना ज्यादा होता है। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे, द्वारका एक्सप्रेसवे, नासिक फाटा-खेड़ और दानापुर-बिहटा जैसे कई हाईवे पर इसका सीधा फायदा मिलेगा।

पुराने टोल प्लाजा पर यह नियम अगली टोल रिवीजन डेट से लागू होगा। नए टोल प्लाजा पर ऑपरेशन शुरू होने की तारीख से यह नियम लागू होगा, जिन टोल प्लाजा का संचालन प्राइवेट कंपनी के पास है, वहां यह नियम एग्रीमेंट की अवधि खत्म होने के बाद लागू होगा।

अब ब्रिज और एलिवेटेड हाइवे पर चलने वाले यात्रियों को कम टोल देना होगा, जिससे सफर सस्ता होगा और लोगों को राहत मिलेगी। खासकर ट्रक, बस और अन्य कमर्शियल गाड़ियां चलाने वालों को इसका फायदा मिलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

उत्तर कोरियाई युवक भारी सुरक्षा वाली सीमा पार कर दक्षिण कोरिया पहुंचा

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि एक अज्ञात उत्तर कोरियाई व्यक्ति दोनों कोरियाई देशों को अलग करने वाली भारी सुरक्षा वाली सीमा को पार कर गया। अब वह दक्षिण कोरिया की हिरासत में है। दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि सेना ने गुरुवार रात सैन्य सीमांकन रेखा के मध्य-पश्चिमी भाग के पास व्यक्ति की पहचान की और उसका पता लगाया। युवक को हिरासत में लिया गया है। अधिकारी सीमा पार करने की घटना की जांच कर रहे हैं।

मिसाइलों और हथियारों के लिए ट्रंप से चर्चा करेंगे यूक्रेनी राष्ट्रपति

कीव, एजेंसी। रूस के साथ तीन साल से जारी जंग के बीच अमेरिका द्वारा हथियारों की खेप पर रोक लगाए जाने से यूक्रेन की मुसीबत बढ़ गई है। इसे देखते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत करेंगे। यह रोक जेलेंस्की के लिए बड़ा झटका है। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने जिस तरह से हथियारों की एक बड़ी खेप को देने से रोका है, उसके बाद दोनों नेताओं के बीच आपूर्ति शुरू किए जाने को लेकर बड़ी चर्चा हो सकती है। बता दें, अमेरिका ने यह निर्णय तब लिया है, जब जून में रूस ने यूक्रेन पर रिकॉर्ड 5,337 ड्रोन दागे हैं। यह एक महीने में सबसे बड़ा हवाई हमला है। अमेरिका की इस स्टॉक चेक नीति के कारण यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल, स्टिंगर सिस्टम, हेलफायर मिसाइल, औरएफ-16 से छोड़ी जाने वाली एआईएम मिसाइलें नहीं मिलेंगी।

फिनलैंड में चाकूबाजी आतंकवाद-नस्लीय मामला नहीं

टैम्पेरे, एजेंसी। फिनलैंड के टैम्पेरे शहर में बृहस्पतिवार को एक मॉल के बाहर चाकू से हमला हुआ, जिसमें 4 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हमला आतंकवादी या नस्लभेद से जुड़ा नहीं है। पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है और कहा है कि अब लोगों के लिए कोई खतरा नहीं है। हालांकि, हमलावर कौन था और उसने ऐसा क्यों किया, इसकी जानकारी अभी नहीं दी गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, एक व्यक्ति को पकड़ा गया है। घायलों की हालत कैसी है, यह भी अभी साफ नहीं हो पाया है। फिनिश पब्लिक ब्रॉडकास्ट येल ने बताया कि मॉल के बाहर खून के धब्बे साफ करने के लिए कर्मचारियों ने प्रेशर वॉशर का इस्तेमाल किया। एक रेस्टोरेंट के बाहर खून का बड़ा धब्बा दिखाई दिया और मॉल से बहकर खून पास की सड़क तक पहुंच गया। घटना के बाद पुलिस ने शुरू में टैम्पेरे के रतिना शॉपिंग मॉल के सभी दरवाजे बंद कर दिए थे और किसी को अंदर या बाहर जाने नहीं दिया गया। लेकिन शाम को पुलिस ने बताया कि अब लॉकडाउन हटा दिया गया है और वे मौके से जा चुके हैं।

जर्मन ट्रेन में यात्री ने हथौड़े से चार लोगों को मारा

बर्लिन, एजेंसी। दक्षिणी जर्मनी में एक लंबी दूरी की ट्रेन में एक व्यक्ति ने बृहस्पतिवार को यात्रियों पर हथौड़े से हमला कर दिया। घटना में चार लोग मामूली रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान तीन सीरियाई- एक 15 वर्षीय लड़का, 24 और 51 वर्षीय दो पुरुषों के रूप में हुई है। इसके अलावा चौथा पीड़ित 38 वर्ष का है, जिसकी राष्ट्रीयता अभी तक ज्ञात नहीं है। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। जिसकी पहचान 20 वर्षीय सीरियाई नागरिक के रूप में हुई है। स्ट्रॉबिंग में पुलिस ने बताया कि यह हमला उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार ट्रेन उत्तरी जर्मनी के शहर हैम्बर्ग से ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना जा रही थी। ट्रेन बवेरिया राज्य के स्ट्रॉबिंग और प्लैटलिंग के बीच थी। पुलिस ने बताया कि हमले के समय ट्रेन में करीब 500 लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर करीब 150 पुलिस अधिकारी, अग्निशमन कर्मी और आपातकालीन कर्मचारी तैनात किए गए थे। रेलवे लाइन को बंद कर दिया गया है। हालांकि, पुलिस ने हमलावर के मकसद के बारे में जानकारी नहीं दी है।

वे नाराज हो सकते हैं... ट्रंप का फोन उठाने के लिए बीच कार्यक्रम से उठकर गए पुतिन

मॉस्को, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच गुरुवार को एक अहम और लंबी टेलीफोनिक बातचीत हुई, जिसमें यूक्रेन युद्ध और ईरान समेत कई वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। लेकिन इस बातचीत से पहले कुछ ऐसा हुआ जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जब ट्रंप का फोन आया, तब पुतिन एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, लेकिन उन्होंने बातचीत को बीच में रोक दिया और ट्रंप से बात करने के लिए मंच से विदा ले ली। पुतिन ने मजाकिया लहजे में कहा कि ट्रंप को इंतजार कराना ठीक नहीं है। क्या पता अमेरिकी राष्ट्रपति नाराज हो जाएं। पुतिन ने कार्यक्रम के बीच में कहा, कृपया नाराज मत होइए, हम और भी बात कर सकते थे। लेकिन उन्हें (ट्रंप को) इंतजार कराना थोड़ा अजीब लगता है, वे नाराज हो सकते हैं। इस टिप्पणी के बाद दर्शकों में हंसी की लहर दौड़ गई और तालियां बजीं। यह घटना मॉस्को में आयोजित स्ट्रॉन्ग आइडियाज फॉर न्यू टाइम फोरम के दौरान हुई, जहां पुतिन एक पैनल चर्चा में हिस्सा ले रहे थे।

रूस ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता दी

ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश, तालिबान ने फैसले को बहादुरी भरा बताया

काबुल/मॉस्को, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता को रूस ने आधिकारिक मान्यता दे दी है। ऐसा करने वाला रूस दुनिया का पहला देश बन गया है। यह घोषणा गुरुवार को काबुल में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और अफगानिस्तान में रूस के राजदूत दिमित्री झिरनोव के बीच हुई बैठक के बाद की गई। तालिबान सरकार ने रूस के इस कदम को बहादुरी भरा फैसला बताया है। मुत्ताकी ने बैठक के बाद जारी एक वीडियो बयान में कहा, यह साहसी फैसला दूसरों के लिए एक मिसाल बनेगा। अब मान्यता की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, रूस सबसे आगे रहा। तालिबान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जिया अहमद तकाल ने भी इस कदम को पुष्टि करते हुए कहा कि रूस पहला देश है जिसने इस्लामिक अमीरात को आधिकारिक मान्यता दी है।

रूस बोला- मान्यता देने से द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ेगा : रूस के अफगानिस्तान मामलों के विशेष प्रतिनिधि जामिर काबुलोव ने रिया नोवोस्ती ने तालिबान सरकार को मान्यता देने की पुष्टि की। रूसी विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी कर कहा कि इस्लामिक अमीरात की सरकार को मान्यता देने से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ेगा। चीन, पाकिस्तान और ईरान जैसे कई देशों ने अपने-अपने यहां तालिबान राजनयिकों को तैनात कर रखा है, लेकिन अभी तक किसी ने भी तालिबान शासन को आधिकारिक मान्यता नहीं दी थी।

आधिकारिक मान्यता मिलने के मायने क्या? : जब एक देश दूसरे देश को आधिकारिक मान्यता देता है, तो वह उसे एक स्वतंत्र राष्ट्र मानता है। यानी उस देश की अपनी सरकार है, अपनी सीमा है और वह दुनिया के दूसरे देशों से रिश्ते बना सकता है। यह मान्यता 1933 की मोंटेवीडियो संधि जैसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर आधारित होती है। इसके लिए चार शर्तें होती हैं, स्थायी आबादी, सीमा, सरकार और विदेशों से संबंध बनाने की क्षमता। मान्यता मिलने से किसी देश को वैधता, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में जगह और दूसरे देशों से व्यापार व रिश्ते बनाने का मौका मिलता है।

2021 में सत्ता पर काबिज हुआ था तालिबान : तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को काबुल के साथ ही पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। अमेरिका और भारत समेत अब तक किसी भी देश में तालिबान को अफगानिस्तान की सरकार के तौर पर मान्यता नहीं दी है। अफगानिस्तान लगातार दुनिया से उसे मान्यता देने की मांग करता रहा है। तालिबान के कार्यकारी रक्षा मंत्री मुल्लाह मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने एक इंटरव्यू में कहा था कि सरकार ने मान्यता हासिल करने के लिए सारी जरूरतों को पूरा किया है। इसके बावजूद अमेरिका के दबाव में आकर दूसरे देश हमें मान्यता नहीं दे रहे हैं।

रूस ने 2003 में आतंकवादी संगठन घोषित किया था : तालिबान की स्थापना 1994 में अफगानिस्तान के कंधार शहर में हुई थी। यह संगठन उन गुटों में शामिल था, जो 1989 में सोवियत सेना की वापसी के बाद अफगानिस्तान में सत्ता के लिए चल रहे गृहयुद्ध में शामिल थे। तालिबान के ज्यादातर सदस्य वही मुजाहिद्दीन थे, जिन्होंने अमेरिका की मदद से नौ साल तक सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध लड़ा और उसे पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इस सहयोग की वजह से तालिबान को शुरुआत में अमेरिका का समर्थन भी मिला।

हालांकि, 1990 के दशक के अंत तक तालिबान की छवि बदलने लगी। 1999 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें कहा गया कि तालिबान दुनियाभर के आतंकी संगठनों को शरण और प्रशिक्षण दे रहा है। इसी के कुछ महीनों बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूएन के इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए तालिबान पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की।

2003 में रूस की सुप्रीम कोर्ट ने तालिबान को आधिकारिक रूप से एक आतंकी संगठन घोषित कर दिया। रूस ने आरोप लगाया कि तालिबान के चेचन्या में सक्रिय अवैध संगठनों से संबंध हैं और वह मध्य एशिया के देशों उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रहा है। इसके बावजूद, 2017 में रूस ने कूटनीतिक पहल करते हुए अफगानिस्तान की तत्कालीन सरकार और तालिबान के बीच बातचीत की कोशिश की थी, ताकि देश में शांति स्थापित हो सके।

कैसे होगा समझौता? गाजा में दो दिन में 300 लोगों की मौत, इजरायल के 26 हमले

तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिका की ओर से इजरायल पर हमास के साथ समझौते के लिए दबाव बनाया जा रहा है। हमास भी कह रहा है कि सीजफायर कर लिया जाए। इसके साथ ही जंग को भी पूरी तरह समाप्त कर दिया जाए। लेकिन यह कैसे हो पाएगा? यह सवाल अब भी खड़ा है। इसकी वजह यह है कि इजरायल लगातार गाजा पर हमले कर रहा है। बीते दिनों में इजरायल ने ताबड़तोड़ 26 हमले गाजा पर किए हैं, जिनमें 300 लोग मारे गए हैं। अल जजीरा का दावा है कि इनमें 48 लोग तो ऐसे हैं, जो राहत सामग्री के इंतजार में खड़े थे और इसी दौरान हुए हमले में मारे गए।

शुक्रवार सुबह से ही 73 लोग मारे जा चुके हैं। यही नहीं कुछ हमलों में गाजा ह्यूमनटैरियन फाउंडेशन को भी निशाना बनाया गया, जिसे अमेरिका का भी समर्थन है। एक स्कूल में इमारत में शरण लिए अहमद मंसूर ने इन हमलों को लेकर बताया, हम सुबह उठे तो इजरायल के तेज हमले जारी थे। ऐसा लगा कि जैसे भूकंप ही आ गया है। लोगों का कहना था कि यह शायद ड्रोन अटैक है और फिर दूसरा हमला कहीं ज्यादा तेज था। मिसाइलें बहुत खतरनाक थीं और जहां भी गिरीं वहां सब कुछ खाक हो गया। खतरनाक आग लग रही थी। ऐसे भी कई लोग थे, जो इन हमलों की आग में झुलस गए और घंटों तक तड़पते रहे।इसके अलावा एक टेंट में हुए हमले में 13 लोग मारे गए थे, जो दक्षिण गाजा के अल-मवासी में ठहरे हुए थे। यही नहीं मुस्तफा हाफिज स्कूल में भी 16 लोगों की मौत हो गई। यहां पर बड़ी संख्या में गाजा पश्चिम से आए शरणार्थी ठहरे हुए हैं। बता दें कि अमेरिका ने इजरायल को सलाह दी है कि वह 60 दिनों का सीजफायर हमास के साथ कर ले।

डोनाल्ड ट्रंप की बड़ी जीत, 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' अमेरिकी संसद से हुआ पास

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चर्चित 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' गुरुवार देर रात पास हो गया. ट्रंप के इस महत्वाकांक्षी विधेयक को देश की संसद से अंतिम मंजूरी मिल गई है. 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से 218-214 के अंतर से पास हो गया है. 218 सांसदों ने बिल का समर्थन किया वहीं 214 सांसदों ने इस विधेयक के खिलाफ वोट डाले. सदन ने जैसे ही इस टैक्स विधेयक को अंतिम मंजूरी दी, बिल को हस्ताक्षर के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास भेज दिया गया. इस बिल का पास होना ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है.इस विधेयक को सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से पारित होने के बाद अब राष्ट्रपति के साइन के लिए भेज दिया गया है. वहीं, विधेयक पर मतदान के दौरान दो रिपब्लिकन सांसदों ने पार्टी लाइन से हटकर डेमोक्रेटिक पक्ष में मतदान किया. इस बिल के पास होने से ट्रंप की कई प्रमुख नीतियों को कानूनी ताकत मिल गई, जिनमें मास डिपोर्टेशन (बड़ी संख्या में प्रवासियों को वापस भेजना), सेना और बॉर्डर सिक्योरिटी पर ज्यादा खर्च, और पहले कार्यकाल की टैक्स छूट को आगे बढ़ाना शामिल हैं. विधेयक के पारित होने के बाद व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार (4 जुलाई) शाम 5 बजे अपने बड़े कर छूट और व्यय कटौती विधेयक पर साइन करने की योजना बना रहे हैं.

भारतीय मूल के व्यक्ति ने प्लेन में यात्री का गला दबाया, अमेरिका में गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के एक व्यक्ति को फिलाडेल्फिया से मियामी की फ्लाइट के दौरान अपने साथ बैठ एक पैसेंजर पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. वायरल हो रहे एक वीडियो में नेवार्क निवासी 21 वर्षीय ईशान शर्मा और कीनू इवांस 30 जून को फ्रंटियर एयरलाइंस की फ्लाइट के दौरान लड़ते दिख रहे हैं. वायरल क्लिप में दिख रहा है कि ईशान शर्मा और इवांस एक-दूसरे की गर्दन पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि साथी यात्री उन्हें रुकने के लिए कह रहे हैं.

इवांस ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि हमला बिना किसी कारण किया गया और तब हुआ जब ईशान शर्मा कथित तौर पर उनके पास आया और अपनी सीट पर लौटते समय उसकी गर्दन पकड़ ली.

इवांस ईशान शर्मा से एक सीट आगे बैठे थे. उन्होंने बताया, वह (ईशान) कुछ डार्क हंसी हंस रहा

था, जैसे हा हा हा हा हा. और वह ऐसी बातें कह रहा था, अरे तुच्छ, नश्वर आदमी, यदि तुम मुझे चुनौती देते हो, तो इसका परिणाम तुम्हारी मृत्यु होगी.इवांस ने दावा किया कि इसके बाद उन्होंने वॉशरूम जाने के लिए अपनी सीट छोड़ दी और फ्लाइट अटेंडेंट को ईशान शर्मा के बारे में बताया. फ्लाइट अटेंडेंट ने उनसे कहा कि अगर ऐसा आगे भी जारी रहा तो सहायता बटन दबा दें.

इवांस ने कहा कि जब शर्मा उन्हें जान से मारने की धमकी देते रहे तो उन्होंने बटन दबाया.उन्होंने कहा कि इसके बाद स्थिति बिगड़ गई. आप जानते हैं, वह मुझे बहुत गुस्से से देख रहा था और हम एक-दूसरे की आंखों में आंखें डालकर देख रहे थे, माथे से माथे टच थे, और फिर उसने मेरा गला पकड़ लिया और मेरा गला घोंटना शुरू कर दिया. उस पल में, आप जानते हैं, लड़ाई हो जाती है. मैं एक फ्लाइट में एक तंग, सीमित जगह में हूं, और मैं बस अपना बचाव कर सकता हूं.

ईशान शर्मा को फ्लाइट उतरने पर हिरासत में ले लिया गया और उन पर मारपीट की धारा लगी है. मंगलवार को अदालत में पेशी के दौरान, ईशान शर्मा के वकील ने कथित तौर पर दावा किया कि यह घटना इसलिए शुरू हुई क्योंकि वह ध्यान कर रहे थे. एक न्यूज आउटलेट के अनुसार उनके वकील ने कहा, मेरा मुवक्किल उस धर्म से है जहां वह ध्यान कर रहा था. दुर्भाग्य से, उसके पीछे वाले यात्री को यह पसंद नहीं आया.

पीड़ित का दावा-बिना किसी उकसावे के हमला : पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, इवांस ने बताया कि यह हमला बिना किसी उकसावे की कार्रवाई के बावजूद हुआ। पीड़ित ने कहा कि शर्मा उनके पास अपनी सीट पर वापस लौटते हुए आए और अचानक उनका गला पकड़ लिया। इवांस ने 7हृद्द2ह्य को बताया, वह एक अजीब हंसी हा हा हा हा कर रहा था... और कह रहा था, तुम छोटे और नश्वर इंसान, अगर तुम मुझे चुनौती दोगे तो तुम्हारी मौत होगी। इवांस ने कहा कि वह शर्मा के ठीक सामने बैठे थे। अन्य यात्रियों द्वारा फिल्माए गए वीडियो में दोनों के बीच विमान के अंदर हुई मारपीट देखी जा सकती है।

झगड़े की वजह क्या थी? : इवांस ने कहा कि शर्मा के उदासीन व्यवहार को देखकर वे पहले से ही चिंतित थे और उन्होंने टॉयलेट का इस्तेमाल करते समय फ्लाइट अटेंडेंट्स को सूचना दी थी। उन्हें सलाह दी गई थी कि स्थिति बिगड़ने पर सहायता बटन दबाएं। जब शर्मा की धमकियां जारी रहीं, तो इवांस ने उस सलाह के अनुसार सहायता बटन दबाया, जिससे स्थिति बढ़ गई। इवांस ने कहा, वह गुस्से में मुझसे सामना कर रहा था, माथा से टक्कर मार रहा था और अचानक उसने मेरा गला पकड़ लिया और मुझे घुटन देने लगा। उस समय मेरी सहज प्रतिक्रिया हुई, लड़ो या भागो और मेरे पास उस संकरे स्थान में खुद की रक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

कराची में जून महीने में 60 बार कांपी धरती, लोगों में दहशत, आपदा के साये में काट रहे रातें

कराची, एजेंसी। इन दिनों पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लोगों की रातें आपदा के साये में कट रही हैं। पाकिस्तान के प्रमुख शहरों में शुमार कराची में जून महीने में 60 बार धरती कांप चुकी है। यहां जून में आए भूकंप के झटके भले ही कम तीव्रता वाले रहे हों, लेकिन लोगों में दहशत बढ़ गई है। कराची के मेयर मुर्तजा वहाब का कहना है कि दो से 22 जून के बीच आए लगातार भूकंप के झटकों के बाद लोग बेचैन हैं। उनको आपदा का डर सता रहा है।

पाकिस्तान के मौसम विभाग का कहना है कि कराची में कम तीव्रता वाले भूकंप के 33 झटके मलीर के नजदीकी इलाकों में दर्ज किए गए। इसके अलावा कायदाबाद, लांधी, गदप, डीएचए सिटी और डीएचए कराची और कोरंगी में भी धरती कांपी। दो जून को कम से कम 10 बार भूकंप के झटके आए। जबकि इसके अगले दिन एक दर्जन झटके महसूस किए गए। वहीं तीन तीव्रता से अधिक वाले छह भूकंप 22 जून को दर्ज किए गए। लांधी में एक कपड़ा फैक्टरी में काम करने वाले जहीर उल हसन ने कहा कि हम जानते हैं कि हमें कैसा महसूस हुआ। हम

जमीन को हिलता हुआ महसूस कर सकते थे और हमें कुछ बुरा होने की आशंका थी, लेकिन कुछ सेकंड के बाद झटके कम हो गए। जब इतने सारे झटके आते हैं तो जाहिर है कि आप तनाव बढ़ता है।

लांधी में रहने वाले फैजान कादरी कहते हैं कि दो से 22 जून के बीच उन्होंने कम से कम 40 भूकंप के झटके महसूस किए हैं। लगातार आ रहे भूकंप के झटकों ने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। मलीर निवासी निगहत खान ने कहा कि हर बार जब भी भूकंप आता था, चाहे दिन हो या रात, हम अपने परिवार के साथ घरों से बाहर निकल आते थे और मदद के लिए प्रार्थना करते थे।

मुख्य मौसम विज्ञानी अमीर हैदर लेघारी और समुद्री भूविज्ञानी आसिफ इनाम ने पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर और वित्तीय केंद्र कराची में बड़े भूकंप की संभावना को कम कर दिया है। लेघारी और इनाम ने माना कि इतनी लंबी अवधि तक कम तीव्रता वाले भूकंपों का आना असामान्य है। उन्होंने कहा कि तटीय शहर कराची कई सक्रिय और निष्क्रिय फॉल्ट लाइनों के करीब है। हाल की भूकंपीय घटनाएं क्षेत्र की प्राकृतिक टेक्टोनिक हलचलों से हुई हैं।

बांग्लादेश में लागू करेंगे शरीयत कानून, फैजुल करीम ने किया तालिबान जैसा शासन लाने का ऐलान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की कट्टरपंथी इस्लामी संगठन जमात-चर मोंई के प्रमुख पिर मुफ्ती सैयद मुहम्मद फैजुल करीम ने एक इंटरव्यू में स्पष्ट रूप से घोषणा की है कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह देश में तालिबान शासित अफगानिस्तान की तर्ज पर शरीयत कानून लागू करेंगे। अमेरिका स्थित बंग्ला मीडिया संस्था ठिकाना न्यूज के संपादक खालिद मुहीउद्दीन को दिए गए इंटरव्यू में फैजुल करीम ने कहा, अगर राष्ट्रीय चुनाव जीतकर सरकार बनी तो इस्लामिक मूवमेंट बांग्लादेश देश में शरीयत कानून लागू करेगा।

फैजुल करीम ने अफगानिस्तान के वर्तमान शासन प्रणाली की सराहना करते हुए कहा, हम अफगानिस्तान की शासन प्रणाली को अपनाएंगे। तालिबान सरकार ने जो अच्छा किया है, उसे लागू करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सत्ता में आए तो हिंदुओं समेत सभी अल्पसंख्यकों को शरीयत के तहत अधिकार दिए जाएंगे।

फैजुल करीम ने यह भी कहा कि अमेरिका, ब्रिटेन और रूस जैसे देशों की कुछ अच्छी बातें होंगी तो उन्हें भी अपनाया जाएगा। हालांकि उन्होंने यह कहा कि वे शरीयत के विरोध में नहीं हों।

जमात-चर मोंई जैसे संगठनों का खुलेआम चुनाव लड़ने और शरीयत लागू करने की बातें करना यह दर्शाता है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के दौरान

इस्लामी कट्टरपंथी संगठन राजनीतिक रूप से सक्रिय हो रहे हैं। बांग्लादेश में हाल ही में सत्ता परिवर्तन हुआ है, जहां पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को छात्रों के आंदोलन के बाद अपदस्थ किया गया था और नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनाई गई है।

हालांकि करीम ने आश्वासन दिया कि अल्पसंख्यकों को शरीयत के तहत अधिकार मिलेंगे, लेकिन तालिबान जैसे शासन मॉडल के उदाहरण को देखते हुए यह बयान अल्पसंख्यकों के अधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरे की घंटी माना जा रहा है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि ऐसी विचारधारा देश की धर्मनिरपेक्षता, महिला अधिकारों और न्याय व्यवस्था को कमजोर कर सकती है।

विश्वसनीय गारंटी के बिना किसी वार्ता का कोई मतलब नही, ईरान ने ट्रंप के साथ वार्ता के लिए रखी शर्त

तेहरान, एजेंसी। परमाणु संवर्धन के मुद्दे पर अमेरिका और इस्त्राइल से टकराव और फिर संघर्ष विराम के बाद भले ही मध्य एशिया में कुछ तनाव कम हुआ हो लेकिन ईरान साफ कर दिया है कि वह बिना किसी विश्वसनीय गारंटी के किसी से भी कोई वार्ता नही करेगा। ईरान ने कहा है कि अमेरिका के साथ कोई भी वार्ता प्रक्रिया तब तक बेकार है जब तक कि वाशिंगटन इस्त्राइल और अमेरिका द्वारा भविष्य में आक्रामक कृत्यों को रोकने के लिए गारंटी नहीं देता है।

भारत में ईरान के राजदूत इराज इलाही ने अमेरिका के साथ फिर से वार्ता शुरू करने के लिए तेहरान की शर्तों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जहां तक अमेरिका के साथ वार्ता का सवाल है, ईरान पर अवैध हमले करने में उनके कूटनीतिक विश्वासघात और जायोनी शासन के साथ मिलीभगत को देखते हुए किसी भी वार्ता का तब तक कोई अर्थ नहीं है, जब तक कि वे भविष्य के लिए अमेरिका और इस्त्राइल द्वारा इस तरह के आक्रामक कृत्यों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए विश्वसनीय गारंटी नहीं देते हैं।

इलाही ने कहा कि इस्त्राइल के पास परमाणु हथियार हैं और उसने परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, उसने ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के बहाने हमारे देश पर हमला किया। उन्होंने आगे अमेरिका पर भी हमला किया। भारत में ईरानी राजदूत ने कहा कि अमेरिकी हमलों का कोई कानूनी औचित्य नहीं था। उन्होंने इसे आक्रामकता का अपराध बताया। इसके अलावा, उन्होंने यह भी दावा किया कि ऑपरेशन में साइबर और आतंकवादी तत्व शामिल थे। इलाही ने कहा कि इस्त्राइली और अमेरिकी हमले संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 2, पैराग्राफ 4, परमाणु

अप्रसार व्यवस्था, आईएईए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के प्रस्तावों और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2231 का घोर उल्लंघन है।

राजदूत ने अमेरिका और इस्त्राइल पर कूटनीति को कमजोर करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका की मिलीभगत के बाद इस्त्राइल ने हमले ठीक तब किए जब ईरान-अमेरिका के बीच छठे दौर की वार्ता को सिर्फ दो दिन बचे थे। यह कूटनीति के साथ विश्वासघात था। साथ ही इन हमलों ने दिखा दिया कि वार्ता के लिए अमेरिका बिल्कुल भी गंभीर नहीं है। इस दौरान इस्त्राइल के आरोपों को लेकर कि इस्त्राइल अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है, पर कहा कि यह दावा पूरी तरह से निराधार है। अंतरराष्ट्रीय कानून में इसका कोई आधार नहीं है। ईरान ने अपने इतिहास में कभी किसी देश पर हमला नहीं किया है। भले ही हम इस्त्राइल को मान्यता नहीं देते हैं और इसे एक कब्जा करने वाले शासन के रूप में देखते हैं।

परमाणु मुद्दे पर ईरानी राजदूत ने कहा कि ईरान का कार्यक्रम शांतिपूर्ण बना हुआ है। आईएईए की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की परमाणु गतिविधियां शस्त्रीकरण का उद्देश्य नहीं दिखाती हैं। ऐसे में शांतिपूर्ण सुविधाओं पर हमला करने के लिए इजरायल और अमेरिका द्वारा दिया गया औचित्य अवैध और अतार्किक दोनों है।

हाल ही में अमेरिका और इस्त्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। इन हमलों का मकसद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बड़ा झटका देना था। हालांकि, अमेरिकी रक्षा एजेंसियों की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान का मेटल कन्वर्जन प्लांट जरूर तबाह हुआ है, लेकिन बाकी ढांचे को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सका।

ईरान में 935 लोग मारे गए : इस्त्राइल के साथ हाल में करीब दो हफ्तों तक चले संघर्ष में 900 से ज्यादा नागरिकों की मौत हो गई थी। इनमें सौ से ज्यादा महिलाएं भी शामिल थीं। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने बताया कि मारे गए 935 लोगों में से 38 बच्चे और 132 महिलाएं थीं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रेमी के साथ अश्लील वीडियो वायरल होने के डर से युवती ने की आत्महत्या

अपार्टमेंट की 14वीं मंजिल से कूदकर जान दी ब्लैकमेल करने वाले प्रेमी समेत दो पर केस दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद के चांदखेड़ा इलाके में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 21 वर्षीय युवती ने एक रिहायशी इमारत की 14वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार, युवती के निजी पलों का अश्लील वीडियो बनाकर उसके दो परिचित युवक, हार्दिक रबारी और मोहित मकवाणा, उसे ब्लैकमेल कर रहे थे।

चांदखेड़ा में रहने वाली इस युवती ने अपने पार्टनर के साथ के निजी पल का वीडियो वायरल होने के बाद यह कठोर कदम उठाया। मृतका की महिला मित्र ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें दोनों युवकों पर आत्महत्या

के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया है।

जानकारी के मुताबिक, मृतका काफी समय से मोहित उर्फ मित्रज मकवाणा के साथ रिलेशनशिप में थी। इस दौरान मोहित ने उनके निजी पलों का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया था। बाद में हार्दिक रबारी ने यह वीडियो मोहित के फोन से लेकर अपने मोबाइल में रख लिया।

2 जुलाई की शाम युवती ने अपनी महिला मित्र काजल और उसके पति के साथ वैष्णोदेवी सर्कल पर हार्दिक से मुलाकात की। वहां हार्दिक ने वह आपत्तिजनक वीडियो तीनों को दिखाया। बाद में वे मोहित से भी मिले और उसे वीडियो डिलीट करने को कहा। शुरुआत में मोहित ने मना किया, जिसके बाद युवती ने पुलिस को फोन कर पूरी बात बताई।

पुलिस मौके पर पहुंची और मोहित के फोन से वीडियो डिलीट करवाकर दोनों पक्षों के बीच समझौता करवाया। हालांकि, अगले दिन युवती इस वीडियो को लेकर फिर परेशान दिखी। 3 जुलाई को उसने अपनी महिला मित्र को बताया कि वह अपने मित्र जयराज सिंह के साथ बाहर जा रही है और वापस नहीं आएगी। अगले ही दिन सुबह उसने जयराज के घर की 14वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी।

इसके बाद मृतका की मित्र ने पुलिस में शिकायत दी कि मोहित और हार्दिक ने अश्लील वीडियो वायरल कर उसे आत्महत्या की ओर धकेला।

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं के तहत दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसमें आत्महत्या के लिए उकसाना और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने जैसी धाराएं शामिल हैं। पुलिस इस मामले की आगे की जांच कर रही है।

वापी में फायरिंग और लूट के दो आरोपी बिहार से गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड एलसीबी, एसओजी और वापी GIDC पुलिस की संयुक्त टीम ने साल 2004 में फायरिंग और लूट के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को बिहार से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी हैं सदनकुमार सचिदानंद सिंह उर्फ सोचुसिंह और श्रवणकुमार श्रीनिवास सिंह भुमिहार, जो बिहार के नवादा जिले के असमा गांव के रहने वाले हैं।

यह मामला 16 फरवरी 2004 का है, जब वापी GIDC के थर्ड फेज में स्थित एक कंपनी में काम करने वाले लेबर कांट्रेक्टर भूपेन्द्र प्रताप सिंह से 1.89 लाख रुपये की लूट की गई थी। इस दौरान छह हथियारबंद लुटेरों ने शिकायतकर्ता पर फायरिंग भी की थी। घटना के समय एक आरोपी मौके से पकड़ लिया गया था।

वलसाड एसपी के मार्गदर्शन में पुलिस ने टेक्निकल एनालिसिस और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर आरोपियों का पता लगाया। बिहार पुलिस के सहयोग से टीम ने असमा गांव में कैंप लगाकर दोनों आरोपियों को दबोच लिया।

इनके खिलाफ IPC की धारा 395, 397 और आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-B)(A), 27(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि पुलिस ने अन्य फरार आरोपियों की तलाश तेज कर दी है।

दाहोद में हाईवे पर RTO अधिकारी द्वारा ट्रक चालक की पिटाई का VIDEO वायरल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सरकारी अधिकारियों द्वारा अपने पद का दुरुपयोग करने की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। ऐसी ही एक घटना अब गुजरात के दाहोद जिले से सामने आई है। यहां एक RTO अधिकारी द्वारा ट्रक

चालक को मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

यह मामला दाहोद जिले के पीपलोड़ के पास हाईवे का है, जहां आरटीओ अधिकारी वी. के. परमार एक ट्रक ड्राइवर की सरेआम पिटाई करता नजर आ रहा है। घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

फिलहाल, वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन मामला तूल पकड़ने के बाद जांच की संभावना जताई जा रही है।

मोबाइल में अश्लील वीडियो चलाकर की छेड़छाड़, स्कूल जाती थी तब भी करता था पीछा:आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लिंबायत इलाके में यौन उत्पीड़न का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मासूम बच्ची के साथ उसके सौतेले पिता द्वारा यौन उत्पीड़न करने की गंभीर शिकायत दर्ज कराई गई है। बच्ची को मोबाइल पर

अश्लील वीडियो दिखाए गए और उसे चूमने और छेड़छाड़ करने के लिए मजबूर किया गया।

इतना ही नहीं, आरोप है कि आरोपी लगातार लड़की का पीछा करता था, यहां तक कि जब वह स्कूल जाती थी, तब भी। फिलहाल, पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी सौतेले पिता को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

एक घिनौना मामला सामने आया है जिसमें आरोपी ने मोबाइल पर अश्लील वीडियो चालू कर एक लड़की से छेड़छाड़ की। आरोपी लड़की का उस समय भी पीछा करता था जब वह स्कूल जा रही होती थी। उसकी हरकतों से परेशान होकर परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट और आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की गई

व्यायाम शिक्षकों की भर्ती को लेकर राज्य सरकार ने बनाई कमेटी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में लंबे समय से व्यायाम शिक्षकों की भर्ती को लेकर आंदोलन चल रहा था। अब इन शिक्षकों से जुड़ी एक अहम खबर सामने आई है। राज्य सरकार ने भर्ती, योग्यता और आयुसीमा जैसे मुद्दों पर विचार करने के लिए एक कमेटी का गठन किया है। बता दें कि गांधीनगर में व्यायाम शिक्षकों के 35 दिनों के आंदोलन के दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कमेटी बनाने का आश्वासन दिया था, जिसके बाद अब इस पर अमल किया गया है।

मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद प्राथमिक शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 10 सदस्यों वाली कमेटी का गठन किया गया है। शिक्षा महा संघ के भिखाभाई पटेल ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सभी स्कूलों में व्यायाम शिक्षकों की भर्ती होनी चाहिए और सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।

सरकार की खेल सहायक योजना के अंतर्गत भर्ती में नियमों में कई विसंगतियां थीं, जिस वजह से इस योजना को रद्द कर स्थायी व्यायाम शिक्षकों की नियुक्ति की मांग लंबे समय से हो रही थी। कक्षा 1 से 8 तक के प्राथमिक विभाग में व्यायाम शिक्षक होना आवश्यक होने के बावजूद सरकार द्वारा भर्ती नहीं की जा रही थी, यह आरोप शिक्षक संगठनों ने लगाए हैं।

माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विभाग में 11 महीने के अनुबंध पर नियुक्त व्यायाम

शिक्षकों को भी कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन्हें साल में चार महीने तक घर बैठना पड़ता है, जिससे परिवार चलाना मुश्किल हो जाता है। इतना ही नहीं, कम वेतन और अनिश्चित भविष्य के साथ काम करना कैसा होता है, यह वातानुकूलित कमरों में बैठे अधिकारियों को समझ में नहीं आता – ऐसी कड़ी प्रतिक्रिया शिक्षक संगठनों की ओर से आई है।

अब सभी की नजर इस कमेटी की सिफारिशों और सरकार के अगले फैसलों पर टिकी है।

चम्पालाल बोथरा नियुक्त हुए BIS प्रोग्राम कमेटी के एडवाइज़र

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, दक्षिण गुजरात चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (SGCCI) ने टेक्सटाइल और गारमेंट उद्योग से जुड़े वरिष्ठ उद्योगपति एवं कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) की टेक्सटाइल एंड गारमेंट कमेटी के राष्ट्रीय चेयरमैन चम्पालाल बोथरा को BIS प्रोग्राम कमेटी का एडवाइज़र नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 3 जुलाई 2025 को SGCCI अध्यक्ष निखिल मद्रासी द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से की गई।

BIS (Bureau of Indian Standards) प्रोग्राम कमेटी का उद्देश्य दक्षिण गुजरात सहित पूरे भारत के टेक्सटाइल उद्योग में गुणवत्ता मानकों, अनुपालन और औद्योगिक स्टैंडर्ड्स के कार्यान्वयन को मजबूती देना है।

चम्पालाल बोथरा के पास इस क्षेत्र में वर्षों का अनुभव है और उन्होंने अनेक व्यापारिक संगठनों में नेतृत्व की भूमिका निभाई है। पूर्व महामंत्री, FOSTTA और वर्तमान में CAIT टेक्सटाइल एंड गारमेंट कमेटी के चेयरमैन के रूप में चम्पालाल बोथरा की नियुक्ति से उम्मीद जताई जा रही है.

कि वह BIS कमेटी को नई दिशा देंगे और एमएसएमई सेक्टर को सशक्त करने की दिशा में ठोस पहल करेंगे।

उनके मार्गदर्शन में कमेटी टेक्सटाइल क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों की ओर अग्रसर हो सकेगी और व्यापारियों की व्यावहारिक समस्याओं का त्वरित समाधान संभव होगा।

SGCCI और टेक्सटाइल उद्योग से जुड़े अनेक अग्रणी जनों ने इस नई जिम्मेदारी के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी।

सूरत में मूसलाधार बारिश से निचले इलाकों में भरा पानी,कई क्षेत्रों में ट्रैफिक जाम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में सुबह से मूसलाधार बारिश हो रही है। भारी बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई है, जिससे सड़कों पर गड्ढों और भरे हुए पानी के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न हो गई है। शहर के सरदार मार्केट से लेकर स्मीमेर अस्पताल तक ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी हुई है। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। ट्रैफिक जाम के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर सरदार मार्केट के सामने सड़क मरम्मत कार्य के कारण रास्ता संकरा हो गया है, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है।

सहारा दरवाजा, कतारगाम, अठवा गेट, मजदूर गेट, रिंग रोड समेत कई इलाकों में लंबे ट्रैफिक जाम के दृश्य सामने आए हैं। बारिश के चलते सड़कों पर पड़े गड्ढों के कारण वाहन चलाना खतरनाक साबित हो रहा है। मौसम विभाग की ओर से अनुमान जताया गया है कि आने वाले दो दिनों तक शहर में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। अब तक सूरत में सीजन की कुल 36 इंच यानी करीब 63 प्रतिशत बारिश दर्ज हो चुकी है।

हालांकि मानसून के तीन महीने अभी बाकी हैं, फिर भी वर्तमान हालात को देखते हुए इस सीजन में 100 प्रतिशत बारिश होने की पूरी संभावना जताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले 7 वर्षों से सूरत शहर में मौसमी बारिश का आंकड़ा 100 प्रतिशत तक पहुँच चुका है। शहर की सड़कों पर बढ़ती समस्याओं के बीच पालिका और ट्रैफिक विभाग से सड़क व्यवस्था और वाहन चालकों के लिए तुरंत नया प्लान तैयार करने की मांग उठ रही है।

माँ भीमेश्वरी मंगल पाठ एवं भजन संध्या का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,माँ भीमेश्वरी देवी (श्री बेरीवाली माता) मंदिर के प्रथम पाटोत्सव के उपलक्ष में शुक्रवार को मंगल पाठ एवं विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेश गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर माँ का भव्य दरबार न्यूसिटी लाइट स्थित देवसर माता मंदिर हॉल में सजाया गया। श्रृंगारित दरबार के समक्ष शाम साढ़े तीन बजे से मंगल पाठ का वाचन सुरभि बिरजुका द्वारा किया गया। माँ के जीवन चरित्र पर आधारित मंगल पाठ के दौरान विभिन्न प्रसंगों पर भजनों की प्रस्तुति हुई। आयोजन में भजन संध्या का आयोजन शाम छ बजे से किया गया। जिसमे सुरेश जोशी, हीरल शर्मा के अलावा कोलकाता के विकाश झा भजनों एवं धमाल की प्रस्तुति दी। आयोजन के दौरान मंच का संचालन योगेश बंसल ने किया। आयोजन में रात्रि आठ बजे से महाप्रसाद एवं रात्रि नौ बजे माँ का खज़ाना में इक्कीस चाँदी के सिक्के वितरित किए गए। आयोजन में अखंड ज्योत, पुष्प वर्षा, इत्र फुहार, छप्पन भोग आदि कार्यक्रम भी हुए। पाटोत्सव में मंडल के सदस्यों के अलावा अनेकों लोग उपस्थित रहें।

सूरत में स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़,गंदे बारिश के पानी में सब्जियां धोते फेरीवाले का VIDEO वायरल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके की आविर्भाव सोसायटी-2 से एक चौंकाने वाला वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें देखा जा सकता है कि एक सब्जी विक्रेता सड़क पर भरे गंदे बारिश के पानी में सब्जियां धो रहा है। इस घटना से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी फैल गई है, क्योंकि इस तरह से धोई गई सब्जियां लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं।

स्थानीय लोगों ने ऐसे फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही आम जनता से भी अपील की गई है कि सब्जी खरीदते समय सावधानी बरतें और इस तरह की घटनाओं की जानकारी तुरंत नगर निगम को दें, ताकि ऐसे गैरजिम्मेदाराना कृत्यों पर रोक लगाई जा सके।

सूरत महानगरपालिका की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन संभावना जताई जा रही है कि वीडियो वायरल होने के बाद इस मामले में जल्द ही आधिकारिक जांच शुरू की जाएगी।